শর্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 303 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 6 जून, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मुख्यमंत्री ने एथलीट आवास रोडमैप का अनावरण किया पेज 2
गुवाहाटी में 100 बेड के आधुनिक मातृ एवं शिशु अस्पताल का मुख्यमंत्री... पेज 3
राजस्थान को पानी में आत्मनिर्भर बनाना हमारी प्राथमिकता : सीएम भजनलाल शर्मा पेज 5
हेले मैथ्यूज की चोट से वेस्टइंडीज को झटका इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे ... पेज 7

भगदड़ : आरसीबी पर दर्ज हुई एफआईआर

एडिशनल पुलिस कमिश्नर, एसीपी समेत कई बड़े अधिकारी सस्पेंड, जांच समिति गठित

नई दिल्ली। बंगलूरू भगदड़ मामले में आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), डीएनए (इवेंट मैनेजमेंट कंपनी) और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) की प्रशासनिक समिति और अन्य के खिलाफ कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज हुई है। एफआईआर में भगदड़ की घटना में आपराधिक लापरवाही की बात कही गई है। सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि इस मामले में धारा 105, 125 (1)(2), 132, 121/1, 190 आर/डब्ल्यू 3(5) के तहत शिकायत दर्ज की गई है। उधर सरकार ने पुलिस कमिश्नर, एसीपी और कई बड़े अधिकारी सस्पेंड कर दिया है। बंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य सरकार ने *सर्वोच्च नागरिक सम्मान* के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया

गुवाहाटी। अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मानों की पवित्रता की रक्षा के लिए, असम सरकार ने एक निर्देश जारी कर किसी भी संस्था, संगठन या व्यक्ति द्वारा *असम बैभव, असम सौरभ* और *असम गौरव* उपाधियों के अनधिकृत उपयोग पर रोक लगा दी है। यह आदेश इस बात पर गौर किए जाने के बाद आया है कि कुछ संस्थाएं इन उपाधियों का विभिन्न आधिकारिक और अनाधिकारिक क्षमताओं में उपयोग कर -शेष पृष्ठ दो पर

जाति जनगणना से असम के मूल मुस्लिम समुदाय को फायदा होगा : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को कहा कि जाति जनगणना से राज्य के ब्रह्मपुत्र और बराक घाटी दोनों में रहने वाले स्वदेशी मुस्लिम समुदाय को बहुत लाभ होगा। केंद्र ने बुधवार को घोषणा की कि जाति गणना के साथ भारत की 16वीं जनगणना 2027 में की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यहां विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम से इतर कहा कि असम के मूल मुस्लिम समुदाय अपनी विशिष्ट सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान के लिए लंबे समय से जाति आधारित जनगणना की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगामी राष्ट्रीय जनगणना में प्रस्तावित जाति गणना से उनकी दशकों पुरानी आकांक्षा पूरी होने की उम्मीद है, जो व्यापक धार्मिक वर्गीकरण और प्रवासी समूहों से अलग उनकी स्वतंत्र पहचान की औपचारिक मान्यता की है। शर्मा ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

विश्व पर्यावरण दिवस पर असम सरकार ने वन बल में हथियार और एसयूवी की संख्या बढ़ाई

गुवाहाटी। अवैध शिकार से निपटने और वन सुरक्षा को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार ने गुरुवार को वन सुरक्षा बल (एफपीएफ) के लिए हथियार और गोला-बारूद को मंजूरी दी। यह घोषणा मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस समारोह के दौरान की। कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कदम से वन कर्मियों को स्वतंत्र रूप से तथा प्रभावी ढंग से अवैध शिकार और वन्यजीव अपराध से निपटने में मदद मिलेगी। शर्मा ने कहा कि जब हमारी सरकार सत्ता में आई, तो हमने वन सुरक्षा बल की तीसरी बटालियन की स्थापना की। आज, हमने उनके लिए सभी आवश्यक उपकरण, हथियार और गोला-बारूद स्वीकृत कर दिए हैं। इससे बल को अधिक ताकत और स्वतंत्रता के साथ काम करने में मदद मिलेगी। सरकार ने विभिन्न वन्यजीव रेंजों और प्रभागों में उपयोग के लिए 130 नए एसयूवी वाहनों को भी हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा कि ये वाहन आज सौंप दिए गए तथा निकट भविष्य में प्रादेशिक रेंजों के लिए और वाहन खरीदे जाएंगे। शर्मा ने दोहराया कि गुरुवार के उपाय राज्य के वन संरक्षण प्रयासों को मजबूत करने के व्यापक प्रयास का -शेष पृष्ठ दो पर

ईसी ने शुरू की तकनीक आधारित इंडेक्स कार्ड प्रणाली

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने चुनाव बाद रिपोर्टिंग प्रक्रिया को तेज और कुशल बनाने के लिए तकनीक आधारित *इंडेक्स कार्ड* प्रणाली की शुरुआत की है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में तथा चुनाव आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी की देखरेख में यह प्रणाली लागू की गई है। इस प्रणाली के तहत चुनाव परिणामों से संबंधित आंकड़ों को स्वचालित रूप से संकलित कर लोकसभा और -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

मुख्यमंत्री हिमंत ने पीएम मोदी पर *आत्मसमर्पण* वाले बयान को लेकर राहुल गांधी की आलोचना की

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला किया, लोकसभा में विपक्ष के नेता पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आत्मसमर्पण करने का *दुस्साहस* करने का आरोप लगाया। राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति पर चल रही राजनीतिक बहसों के बीच राहुल गांधी के कटाक्ष के मद्देनजर भाजपा नेता की तीखी प्रतिक्रिया आई, खासकर ऑपरेशन सिंदूर की हालिया सफलता के बाद। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शर्मा ने कांग्रेस पार्टी पर भारत के क्षेत्रीय और सामरिक हितों से समझौता करने की लंबे समय से चली आ रही विरासत का आरोप लगाया। एक विस्तृत पोस्ट में, उन्होंने कांग्रेस के इतिहास पर *वास्तविकता की जांच* के रूप में वर्णित की गई बातों को सूचीबद्ध किया, जिसमें 1947-48 के कश्मीर संघर्ष के दौरान जवाहरलाल नेहरू के फैसलों से लेकर चीन के साथ 1962 के युद्ध और इंदिरा गांधी के तहत 1971 के बांग्लादेश मुक्ति युद्ध के बाद 93,000 पाकिस्तानी युद्धबंदियों की रिहाई -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

फूलों की खुशबू हवा की दिशा में ही फैलती है, लेकिन एक व्यक्ति की अच्छाई चारों तरफ फैलती है।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

खड़गे-राहुल ने मणिपुर में कांग्रेसी नेताओं के साथ बैठक की

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को मणिपुर के पार्टी नेताओं के साथ बैठक की और राज्य की स्थिति पर चर्चा की। यह बैठक नई कांग्रेस मुख्यालय -शेष पृष्ठ दो पर

अब भारत में बनेगा राफेल का धड़, हैदराबाद में लगेगा प्लांट

नई दिल्ली (हि.स.)। पहली बार राफेल के धड़ का उत्पादन फ्रांस के बाहर किया जाएगा। इसके लिए फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट एविएशन ने टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के साथ साझेदारी की है। भारत में पहली बार राफेल के धड़ का उत्पादन करने के लिए हैदराबाद में प्लांट लगाया जाएगा। दोनों कंपनियों ने भारत में राफेल लड़ाकू विमान के धड़ का निर्माण करने के लिए चार उत्पादन हस्तांतरण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। डसॉल्ट एविएशन के मुताबिक यह प्लांट भारत के एयरोस्पेस बुनियादी -शेष पृष्ठ दो पर

भूकंप : कैदी तो भागा ही, जेलर भी पाकिस्तान से हो गए फरार

कराची। कराची में मंगलवार को आए भूकंप के बाद कराची की मलीर जेल की दीवारों में दरारों का फायदा उठाकर भागे कैदियों की घटना के बाद एक रिपोर्ट में नया खुलासा हुआ है। सिंध के जेल मंत्री अली हसन जरदारी ने जेल प्रणाली के अंदर कैदियों के साथ मिलीभगत के गंभीर खुलासे के बाद मलीर जेल के हेड कांस्टेबल राशिद चिंगारी को गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। साथ सिंध के मुख्यमंत्री सय्यद मुराद अली शाह ने भी जांच के -शेष पृष्ठ दो पर

अमेरिकी जमीन पर थरूर का बड़ा बयान

भारत खुद पाक से निपटेगा, किसी को सलाह देने की जरूरत नहीं

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत एवं पाकिस्तान के बीच हालिया संघर्ष विराम में अपनी भूमिका को लेकर बार-बार किए जा रहे दावों के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि भारत, अमेरिकी राष्ट्रपति पद का सम्मान करता है लेकिन नयी दिल्ली ने कभी नहीं चाहा कि वह किसी से मध्यस्थता करने के लिए कहे और किसी को हमें यह बताने की जरूरत नहीं कि हमें *रुकना* है। सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के नेता थरूर मंगलवार दोपहर यहां पहुंचे और प्रतिनिधिमंडल -शेष पृष्ठ दो पर

यूएस में जोरदार विरोध, तिंरगे व पीएम मोदी का अपमान

वाशिंगटन। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में खालिस्तानी समर्थकों ने भारतीय सांसद शशि थरूर के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध उस -शेष पृष्ठ दो पर

सत्यमेव जयते
অসম চৰকাৰ

লোকপ্ৰিয় গোপীনাথ বৰদলৈদেৱৰ জন্মদিন

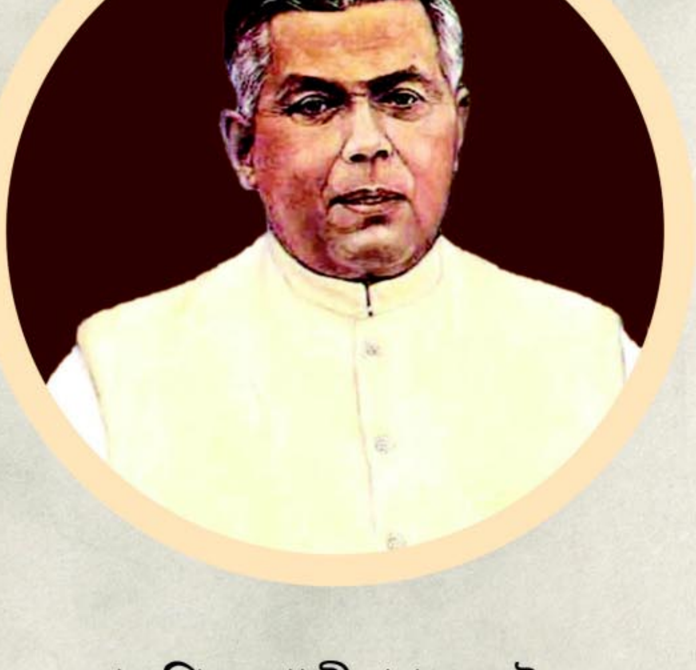

ভাৰত ৰত্ন লোকপ্ৰিয় গোপীনাথ বৰদলৈদেৱৰ গভীৰ স্বদেশপ্ৰেম, অসাধাৰণ ব্যক্তিত্ব আৰু দূৰদৰ্শিতাই আমাৰ জাতিক সদায় সমৃদ্ধ কৰি ৰাখিছে।

মহান ব্যক্তিগৰাকীলৈ তেখেতৰ জন্মদিৱসত অসমবাসীৰ হৈ আন্তৰিক শ্ৰদ্ধা নিৱেদন কৰিছোঁ

ড° হিমন্ত বিশ্ব শৰ্মা
মুখ্যমন্ত্ৰী, অসম

৬ জুন ২০২৫

-- DIPR/D/VBS-27/6-Jun-25

তথ্য আৰু জনসংযোগ সঞ্চালকালয়, অসমৰ দ্বাৰা প্ৰচাৰিত

Connect with us @diprassam dipr.assam.gov.in

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

मुख्यमंत्री ने एथलीट आवास रोडमैप का अनावरण किया

गुवाहाटी। खेलों को असम की प्रमुख ताकत बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को एक बड़े बुनियादी ढांचे के तहत 2,000 से अधिक एथलीटों के लिए आवासीय छात्रावासों के निर्माण की घोषणा की। उत्तर गुवाहाटी में लवलीना बॉक्सिंग अकादमी के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए, शर्मा ने उभरते खिलाड़ियों के लिए आवासीय सुविधाएं प्रदान करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किसी एथलीट के लिए अभ्यास के लिए हर दिन 50 किलोमीटर की यात्रा करना संभव नहीं है। इसलिए हमने अगले पांच वर्षों में कम से कम 2,000 खिलाड़ियों के लिए छात्रावास की सुविधा बनाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रतिभा पहचान और बुनियादी ढांचे के विकास दोनों को प्राथमिकता दे रही है। अमीनगांव में 200 बिस्तरों वाला छात्रावास निर्माणाधीन है, जबकि सरुसजाई में 500 बिस्तरों की क्षमता वाला बड़ा छात्रावास बनाने की योजना बनाई जा रही है। डिब्रूगढ़ और चंद्रपुर में अतिरिक्त छात्रावास बनाने का प्रस्ताव है।

ब्रिक्स मंच से लोस अध्यक्ष ने किया निष्पक्ष व्यापार प्रणाली का समर्थन

ब्रासीलिया (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारत ऐसी निष्पक्ष और विधिसम्मत वैश्विक व्यापार प्रणाली का समर्थन करता है जो ग्लोबल साउथ की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को पर्याप्त रूप से मुखरित करती हो। लोकसभा अध्यक्ष ने ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में ब्रिक्स संसदीय मंच की बैठक में *आर्थिक विकास के लिए नए रास्तों की तलाश में ब्रिक्स देशों की संसदों की कार्रवाई* विषय पर आयोजित कार्य सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार, निवेश और वित्तीय सहयोग को बढ़ाना चाहिए। हम ब्रिक्स ग्रुप के विस्तार का स्वागत करते हैं। इससे हमारा परस्पर सहयोग और अधिक समावेशी और प्रभावशाली होगा। बिरला ने कहा कि पिछले दशक में भारत की आर्थिक प्रगति उल्लेखनीय रही है। विश्वव्यापी अनिश्चितताओं और घरेलू चुनौतियों के बावजूद, भारत ने लगातार वैश्विक औसत विकास से बेहतर कार्यप्रदर्शन किया है। वर्ष 2014 में 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से प्रगति करते हुए आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना भारत की ठोस नीतियों और भारतवासियों के दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। बिरला ने कहा कि 65 प्रतिशत से अधिक भारतीय 35 वर्ष से कम आयु के हैं। ये युवा विनिर्माण, डिजिटल प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भारत को आगे बढ़ा रहे हैं। इससे हम न केवल घरेलू जरूरतों को पूरा कर रहे हैं, बल्कि दुनिया को कुशल मानव संसाधन भी उपलब्ध करा रहे हैं। यह भारत की ताकत है, हमारी जिम्मेदारी है और हमारा योगदान भी है।

No.DPRD/BTC/(Gen)-238/2023/177 *Dated Kokrajhar the 4th June, 2025*

NOTICE INVITING TENDER

Sealed tenders with a validity period of 180 (one hundred eighty) days from the date of receipt in prescribed from affixing non-refundable court fee stamps of Rs. 8.25 (Rupees eight and paisa twenty five) only subsequently to be drawn up in printed F-2 form are hereby invited from the Govt. registered Contractor, **PWD (Roads/ Building), Irrigation, Water Resources, PHE** under Class-I (A, B, C), Class-II and Class-III category approved firm/ suppliers according to tender limit of eligibility for the following works and will be received in the office of the undersigned up to 2.00 pm on 26/06/2025 and will be opened on the same date and place at 2.15 pm in the presence of willing contractors or their authorized agents.

Sl. No.	Name of Dev. Block	Name of Scheme	A/A amount (Rs. in lakh)	Tender Amount (Rs. in lakh)	Earnest Money	Cost of Tender in Rs.	Time for completion in days
1	Sidli-Chirang	Const. of S/G from Lalai Onthaibari to Joypur village	Rs. 10,00,000.00	Rs.10,00,000.00	(ST, SC, OBC-1% & Gen-2%)	300/-	3 months
2	Sidli-Chirang	Const. of road S/G from Gwjwnpuri Chariali via Praneswar house to Paneram house with 1 Cell box culvert at Gwjwnpuri village	Rs. 16,00,000.00	Rs.16,00,000.00	(ST, SC, OBC-1% & Gen-2%)	500/-	6 months
3	Borobazar TD	Const. of road with E/F and S/G Karuna Barman Land to No.1 Khujrabguri LP School	Rs. 18,00,000.00	Rs.18,00,000.00	(ST, SC, OBC-1% & Gen-2%)	550/-	3 months
4	Borobazar TD	Const. of E/F and S/G from Bimal Basumatary house to Baotipara village Library at Baotipara village	Rs.19,99,999.00	Rs.19,99,999.00	(ST, SC, OBC-1% & Gen-2%)	600/-	3 months
5	Borobazar TD	Const. of road with E/F from Sainasiguri LP School to Santas house	Rs.18,00,000.00	Rs.18,00,000.00	(ST, SC, OBC-1% & Gen-2%)	550/-	3 months
6	Borobazar TD	Const. of road with E/F and S/G from Dipak Barman house to Madhura Rabha house at Kurjabguri village	Rs.18,00,000.00	Rs.18,00,000.00	(ST, SC, OBC-1% & Gen-2%)	550/-	3 months
7	Borobazar TD	Const. of road S/G from Monosh Brahma house to Alangbar house at Langdangpara village	Rs.12,00,000.00	Rs.12,00,000.00	(ST, SC, OBC-1% & Gen-2%)	400/-	3 months

1. **Pre-Bid Meeting Date and Time : 20/06/2025**

Details NIT may be seen in all working days in the office of the undersigned. Tender paper will be issued to the contractors or their authorized agent up to 12.00 Noon on all working days from 05/06/2025 to 25/06/2025 in the office of the undersigned on payment of in the form of Banker cheque/ Demand draft of any nationalized Bank (Preferable SBI) duly pledged to the **Director, P&RD, BTC, Kokrajhar**. The Cost of tender (Non-Refundable) must be in the form of Demand Draft/ Banker Cheque of a Nationalized Bank drawn in favour of the **Principal Secretary, BTC, Kokrajhar** and payable at **SBI, Kokrajhar Main Branch, Court para, Kokrajhar** to be deposited **0.03%.**

Sd/- Director,
Panchayat & Rural Development,
BTC, Kokrajhar

IPR(BTC)/C/2025-26/601

दिल्ली के साकेत कोर्ट के लॉकअप में विचाराधीन कैदी की हत्या

नई दिल्ली (हि.स.)। साकेत कोर्ट में आज एक विचाराधीन कैदी की दो अन्य कैदियों ने जानलेवा हमला कर हत्या कर दी। मामला पुरानी रंजिश का बताया जा रहा है। साकेत कोर्ट के लॉकअप में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक विचाराधीन कैदी पर दो अन्य कैदियों ने जानलेवा हमला कर दिया। कैदी की पहचान अमन (24) निवासी गोविंदपुरी, दिल्ली के रूप में हुई है। वह वर्ष 2017 के हत्या के प्रयास के मामले में आरोपित था। पुलिस के अनुसार अमन को कोर्ट में पेशी के लिए लाया गया था और घटना के समय खारजा नंबर-5 में कई अन्य विचाराधीन कैदी भी मौजूद थे। अचानक दो कैदी जितेंद्र उर्फ जिट्टे (पुत्र जगदीश) और जयदेव उर्फ बच्चा पुत्र लालचंद ने अमन पर हमला कर दिया। जांच में सामने आया है कि जितेंद्र और अमन के बीच पुरानी रंजिश चल रही थी।

ऐसी जगह गायब करेंगे कोई नहीं ढूंढ पाएगा...

शिलांग हनीमून मामले में अब भाई को मिली धमकी

शिलांग। इंदौर के एक नवविवाहित जोड़े की हनीमून ट्रिप एक डरावनी और रहस्यमयी घटना में बदल गई है। शिलांग की हसीन वादियों में छुट्टियां मनाने पहुंचे राजा और सोनम रघुवंशी में से अब केवल राजा का शव मिला है, जबकि सोनम का अब तक कोई सुराग नहीं लगा है। यह मामला अब एक संभावित हत्या और अपहरण की बड़ी जांच का हिस्सा बन गया है, जिसने स्थानीय प्रशासन से लेकर राष्ट्रीय एजेंसियों तक को सतर्क कर दिया है। राजा के भाई विपिन रघुवंशी का कहना है कि सोनम के भाई को कुछ स्थानीय लोगों से धमकियां मिली हैं। कथित तौर पर कहा गया कि तुमने मेघालय को बदनाम किया है, अब तुम लोग खुद गायब हो जाओगे और तुम्हें प्रशासन भी नहीं ढूंढ पाएगा। यह बयान पूरे मामले को और भी गंभीर बना देता है। स्थानीय लोगों से पूछताछ में कुछ चौंकाने वाली जानकारियां सामने आई हैं। कथित तौर पर उसी इलाके में पहले भी कपल्स के गायब होने की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन इन मामलों की कोई ठोस रिपोर्ट सामने नहीं आई। राजा के भाई ने स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए सीबीआई जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि पुलिस क्षेत्र के लोगों से सख्ती से पूछताछ नहीं कर रही। साथ ही, सोनम का कोई भी सुराग देने वाले को 5 लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा की गई है। सोनम के भाई अभी भी शिलांग में ही हैं और हर स्तर पर चल रहे सर्च ऑपरेशन में जुड़े हुए हैं। परिवार ने मेघालय सरकार से अपील की है कि वह सोनम की तलाश के लिए अपने पूरे संसाधनों का इस्तेमाल करे।

पाथारकांदी में जलाशय से युवक का शव बरामद

श्रीभूमि (हिंस)। असम के पथारकांदी क्षेत्र में लोंगाई नदी के कटाव से प्रभावित एक जलाशय से गुरुवार को युवक का शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान अब्दुल हक के रूप में हुई है, जो कटाव के पास स्थित घर का निवासी था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीते रविवार को लोंगाई नदी के बढ़े पानी ने बिलबाड़ी इलाके में कटाव कर दिया था। उसी समय अब्दुल हक बाजार से सामान लाने के लिए घर से निकला था, लेकिन इसके बाद से वह लापता था। लोगों ने गुरुवार को पास के एक जलाशय में एक शव को देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और शव को जलाशय से बाहर निकाला। परिजनों ने शव की शिनाख्त अब्दुल हक के रूप में की। परिजनों के अनुसार, जिस दिन नदी का कटाव हुआ था, उस दिन वह किसी तरह कटाव के पास से होकर राशन लाने गया था, पर वापस नहीं लौटा।

पृष्ठ एक का शेष

भगदड़ : आरसीबी पर ...

भगदड़ की मजिस्ट्रेट जांच की जा रही है। इस जांच का नेतृत्व कर रहे बंगलूरू शहरी उपायुक्त (डीसी) जी जगदीश ने गुरुवार को कहा कि कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए), रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पुलिस आयुक्त बी दयानंद को जांच में शामिल होने के लिए नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने चिन्नास्वामी स्टेडियम का निरीक्षण किया, जहां बुधवार को भगदड़ मची थी। जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी और 50 से अधिक लोग घायल हो गए थे। घटना की जानकारी देते हुए उपायुक्त जी जगदीश ने कहा कि आज मैंने केएससीए (कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ) स्टेडियम का दौरा किया। मैंने यहां सभी कार्यक्रम देखे हैं। मैं कुछ लोगों को पूछताछ के लिए नोटिस जारी करूंगा। मैं जांच करूंगा और 15 दिनों के भीतर पूरी करूंगा। मैं केएससीए, आरसीबी प्रबंधन, इवेंट मैनेजर और पुलिस कमिश्नर को नोटिस जारी करूंगा। मैं लोगों से साक्ष्य देने के लिए कहूंगा। इस त्रासदी के लिए कौन जिम्मेदार है, इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मैं अभी जांच शुरू कर रहा हूं। मैं अभी इसे समाप्त नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कि मुझे जांच करनी है और सरकार को रिपोर्ट देनी है। इस मामले में कोर्ट में भी सुनवाई चल रही है। गुरुवार को कर्नाटक हाईकोर्ट ने चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम के पास हुई भगदड़ से संबंधित मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि हमने महाधिवक्ता के समक्ष अपनी बात रखी है। उन्होंने एक स्थिति रिपोर्ट दाखिल की है, जिसे रिकॉर्ड में लिया गया है। रजिस्ट्री को निर्देश दिया जाता है कि इस स्वत: संज्ञान को स्वत: संज्ञान रिट याचिका के रूप में पंजीकृत किया जाए। कोर्ट ने 10 जून, मंगलवार को याचिका को फिर से सूचीबद्ध करने के कहा। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कोर्ट को बताया कि हम सबसे पहले यह अनुरोध करना चाहेंगे कि कोई दोषारोपण न हो। हम केवल तथ्यों को उसी रूप में प्रस्तुत करना चाहते हैं, जैसा कि वे घटित हुए थे। हम कोई प्रतिकूल दृष्टिकोण नहीं अपना रहे हैं। उन्होंने कहा कि कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए 1000 से अधिक कर्मियों को तैनात किया गया था। स्टेडियम की क्षमता 35,000 है। आमतौर पर केवल 30,000 टिकट ही बिकते हैं। इस बार लगभग 2.5 लाख लोग यह सोचकर आए कि प्रवेश नि:शुल्क है। सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता (एडवोकेट जनरल) शशि किरण शेट्टी ने बताया कि समारोह में नि:शुल्क प्रवेश की घोषणा के कारण भारी भीड़ उमड़ी, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हुई। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार इस मामले को विरोधात्मक तरीके से देखने का इरादा नहीं रखती है, बल्कि यह समझने का प्रयास कर रही है कि चूक कहां हुई ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियां न दोहराई जाएं। महाधिवक्ता ने बताया कि पूरे शहर में सुरक्षा बल तैनात थे, लेकिन चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर स्थिति अनियंत्रित हो गई। हर व्यक्ति यह सोच रहा था कि बस वह एक और अंदर जा रहा है, जबकि असल में वहां भारी जनसैलाब था।

राज्य सरकार ने...

रही हैं, जिससे प्रतिष्ठित राज्य पुरस्कारों के साथ गलत प्रस्तुति, भ्रम और गलत जुड़ाव की संभावना पैदा हो रही है। सरकार ने स्पष्ट किया कि इन उपाधियों को आधिकारिक तौर पर 23 दिसंबर, 2021 के आदेश संख्या जीएजी(बी).140/2021/122 के माध्यम से असम के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों के रूप में स्थापित किया गया है, जिनका उपयोग राज्य से स्पष्ट प्राधिकरण के बिना नहीं किया जाना चाहिए। इसने चेतावनी दी कि अनधिकृत उपयोग से जनता को गुमराह किया जा सकता है और सम्मान की प्रामाणिकता और विशिष्टता को कम किया जा सकता है। निर्देश में कहा गया है कि इन पुरस्कारों की गरिमा और विशिष्टता को बनाए रखने के लिए, किसी भी गैर-अधिकृत संस्था द्वारा असम बैभव, असम सौरभ और असम गौरव नामों का उपयोग सख्त वर्जित है। सरकार ने सभी हितधारकों से पुरस्कारों की अखंडता बनाए रखने और किसी भी कानूनी परिणाम से बचने के लिए निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया है।

जाति जनगणना से असम ...

ब्रह्मपुत्र घाटी के गोरिया, मोरिया, देशी, सैयद और जोल्हा (जुल्हा) मुस्लिम समुदायों के साथ-साथ बराक घाटी के किरेन और मैमल मुस्लिम समुदाय लगातार यह कहते रहे हैं कि हालांकि इस्लाम उनका धर्म है, लेकिन उनमें विशिष्ट जातीय, भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताएं भी हैं, जो उन्हें प्रवासी मूल या गैर-स्वदेशी मुस्लिम आबादी से अलग करती हैं। मुख्यमंत्री ने पिछले महीने कहा था कि असम सरकार ने राज्य के स्वदेशी मुस्लिम समुदायों का दस्तावेजीकरण और उनकी पहचान करने के उद्देश्य से एक व्यापक जाति जनगणना कराने के लिए प्रारंभिक उपाय शुरू कर दिए हैं। इन समुदायों ने विशिष्ट परंपराओं, बोलियों और ऐतिहासिक आख्यानों को संरक्षित रखा है जो असम की सभ्यतागत विरासत और सांस्कृतिक परिदृश्य में गहराई से निहित हैं। राजनीतिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीपीए) ने 30 अप्रैल को निर्णय लिया कि अगली जनगणना में जाति गणना को भी शामिल किया जाएगा। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल देशव्यापी जाति जनगणना की मांग कर रहे हैं और इसे एक बड़ा चुनावी मुद्दा बना रहे हैं तथा बिहार, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे कुछ राज्यों ने ऐसे सर्वेक्षण कराए भी हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस ...

हिस्सा हैं। एफपीएफ में जनशक्ति की कमी से संबंधित चिंताओं पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने अपर्याप्त कर्मियों के दावों को खारिज कर दिया। उन्होंने बताया कि हमारे पास पर्याप्त मानव संसाधन हैं। समस्या तैनाती और प्रबंधन में है। कई कर्मचारी स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला देते हुए उम्र बढ़ने के कारण तबादले की मांग करते हैं। असम में अवैध शिकार विरोधी अभियान तेज होने के बीच हथियारों की यह खेप भेजी गई है। सुरक्षा एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि इस क्षेत्र के शिकारी पूर्वोत्तर में सक्रिय आतंकवादी संगठनों से संपर्क बनाए हुए हैं। हाल के सप्ताहों में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में अलग-अलग मुठभेड़ों में दो शिकारी मारे गए हैं। 28 मई को वन रक्षकों और असम पुलिस की संयुक्त टीम के साथ मुठभेड़ के दौरान एक संदिग्ध शिकारी मारा गया। एक सप्ताह पहले, अगोराटोली रेंज में दुरामारी शिकार विरोधी शिविर के पास एक अन्य सशस्त्र शिकारी को गोली मार दी गई थी। हथियारों और गतिशीलता में नवीनतम वृद्धि के साथ, राज्य सरकार को उम्मीद है कि इससे वन्यजीव अपराध पर अंकुश लगेगा तथा असम की समृद्ध जैव विविधता की सुरक्षा होगी।

ईसी ने शुरू की ...

विधानसभा चुनाव संबंधी क्रमश: 35 और 14 सांख्यिकीय रिपोर्ट तैयार की जाती हैं। इन रिपोर्टों में प्रत्याशी, मतदाता, मतदान प्रतिशत, पार्टीवार प्रदर्शन, महिला मतदाता भागीदारी, क्षेत्रीय अंतर और विजयी प्रत्याशियों की जानकारी जैसे विविध आयाम शामिल होते हैं। इससे पहले यह कार्य मैनुअल तरीके से भरे गए भौतिक *इंडेक्स कार्ड* के माध्यम से होता था, जिससे रिपोर्टिंग में देरी होती थी। अब यह प्रक्रिया पूर्णत: डिजिटल और डेटा इंटीग्रेशन आधारित है, जिससे आंकड़े शीघ्र उपलब्ध होते हैं। यह प्रणाली शोधकर्ताओं, पत्रकारों और नीति-निर्माताओं के लिए एक सशक्त संसाधन है। हालांकि, ये रिपोर्ट केवल अनुसंधान और शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए हैं और अंतिम प्रामाणिक आंकड़े रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा रखे गए वैधानिक दस्तावेज ही माने जाएंगे।

मुख्यमंत्री हिमंत ने ...

शामिल है। शर्मा ने लिखा कि राहुल गांधी को याद दिलाना चाहिए कि किस पार्टी और परिवार ने भारत के हितों को तिलांजलि दी और अपने लोगों की पीठ में छुरा घोंपा। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह नेहरू ही थे जिन्होंने सैन्य अभियानों को रोककर और संयुक्त राष्ट्र का रुख करके पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को *उपहार में दे दिया*। शर्मा की पोस्ट में कांग्रेस के समय के फैसलों को भी याद किया गया जैसे कि 1990 के दशक में अमेरिकी दबाव में परमाणु परीक्षण में देरी, 26/11 के मुंबई हमलों के बाद जवाबी कार्रवाई की कमी और 2009 में विवादास्पद शर्म अल-शेख संयुक्त बयान जिसमें बलूचिस्तान का उल्लेख किया गया था, जिसे व्यापक रूप से एक कूटनीतिक चूक के रूप में देखा गया। उन्होंने यूपीए सरकार पर सर क्रीक को पाकिस्तान को सौंपने की कथित योजना सहित क्षेत्रीय रियायतों के प्रयास में मिलीभगत का आरोप लगाया, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के दौरान सार्वजनिक रूप से उजागर होने से ही इसे विफल किया गया था। चीन के साथ सीमा पर तनाव को उजागर करते हुए, सीएम शर्मा ने कांग्रेस के शासन के दौरान बार-बार चीनी घुसपैठ की ओर इशारा किया और उरी, बालाकोट और गलवान में की गई कार्रवाइयों का हवाला देते हुए पीएम मोदी के नेतृत्व में लिए गए *निर्णायक* रुख के साथ इसकी तुलना की। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने सिर्फ जमीन नहीं छोड़ी - उसने भारत के गौरव, सुरक्षा और संप्रभुता को भी छोड़ दिया। भारत याद रखता है। भारत ने ऊपर उठकर काम किया है। और भारत फिर से आत्मसमर्पण नहीं करेगा। यह राजनीतिक हमला भाजपा की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा को पीएम मोदी के नेतृत्व और कांग्रेस पार्टी की अतीत की *तुष्टिकरण* नीतियों के बीच एक प्रमुख अंतर के रूप में पेश किया जाता है।

अब भारत में बनेगा...

ढांचे में एक महत्वपूर्ण निवेश का प्रतिनिधित्व करेगा। साझेदारी के दायरे में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के साथ हैदराबाद में राफेल के प्रमुख संरचनात्मक खंडों का निर्माण करने के लिए अत्याधुनिक उत्पादन सुविधा स्थापित की जाएगी, जिसमें पीछे के धड़ के पार्श्व गोले, पूरा पिछला भाग, केंद्रीय धड़ और अगला भाग शामिल है। वित्त वर्ष 2028 में असेंबली लाइन से पहला धड़ खंड निकलने की उम्मीद है और हर महीने दो पूर्ण धड़ तैयार होने की उम्मीद है। डसॉल्ट एविएशन के अध्यक्ष और सीईओ एरिक ट्रैपियर ने कहा कि पहली बार राफेल के धड़ का उत्पादन फ्रांस के बाहर किया जाएगा। यह भारत में हमारी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने में एक निर्णायक कदम है। भारतीय एयरोस्पेस उद्योग में प्रमुख खिलाड़ियों में से एक टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स सहित हमारे स्थानीय भागीदारों के लिए यह आपूर्ति श्रृंखला राफेल के उत्पादन में योगदान देगी। हमारे समर्थन से गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास होगा। इस साझेदारी का उद्देश्य वैश्विक एयरोस्पेस आपूर्ति श्रृंखला में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करना है। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक सुकरन सिंह ने कहा कि यह साझेदारी भारत की एयरोस्पेस यात्रा में महत्वपूर्ण कदम है। भारत में संपूर्ण राफेल के धड़ का उत्पादन टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स की क्षमताओं में बढ़ते भरोसे और डसॉल्ट एविएशन के साथ हमारे सहयोग की ताकत बढ़ाएगा। यह भारत के आधुनिक, मजबूत एयरोस्पेस विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने में की गई उल्लेखनीय प्रगति को भी दर्शाता है, जो वैश्विक प्लेटफार्मों का समर्थन है। यह अनुबंध भारत की *मेक इन इंडिया* और आत्मनिर्भर पहलों के प्रति डसॉल्ट एविएशन की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। डसॉल्ट एविएशन ने पिछली शताब्दी में 90 से अधिक देशों में 10 हजार से अधिक सैन्य और नागरिक विमान (2,700 फाल्कन सहित) वितरित किए हैं। कंपनी ने सभी प्रकार के विमानों के डिजाइन, उत्पादन, बिक्री और समर्थन में दुनिया भर में मान्यता प्राप्त विशेषज्ञता हासिल की है। इसी तरह टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड भारत में एयरोस्पेस और रक्षा समाधानों के लिए महत्वपूर्ण कंपनी है। इसने अब तक एयरोस्ट्रक्चर और एयरो इंजन, एयरबोर्न प्लेटफॉर्म और सिस्टम का निर्माण किया है। कंपनी के पास अग्रणी वैश्विक एयरोस्पेस और रक्षा फर्मों के साथ साझेदारी और संयुक्त उपक्रमों का एक मजबूत पोर्टफोलियो है।

भूकंप : कैदी तो ...

आदेश दिए हैं। कैदियों को भागने में मदद करने में कथित तौर पर शामिल राशिद चिंगारी कल देर रात फरार हो गया है और वह मिल नहीं रहा है। उसकी गिरफ्तारी का आदेश मंत्री ने मेडिकल चेक-अप करा देश लौटने के बाद दिया है। जेल अधिकारियों के खिलाफ जांच के आदेश से हड़कंप मच गया है और इसमें मीलर जेल के कई अधिकारियों के शामिल होने की उम्मीद है। कैदियों के भागने के बाद 23 जेल अधिकारियों और कर्मचारियों को निलंबित किया गया था, इसमें राशिद चिंगारी का नाम शामिल नहीं था। लेकिन जांच के दौरान उनका नाम सामने आया है। एआरवाई ने विश्वसनीय सूत्रों से पुष्टि की कि डीआईजी जेल को अब चिंगारी को निलंबित करने और उसके कार्यों की पूरी जांच शुरू करने का निर्देश दिए गए हैं। एआरवाई न्यूज ने हाल ही में कैदियों और चुनिंदा जेल अधिकारियों के बीच नेटवर्क को उजागर किया, जिससे यह मुद्दा लोगों के ध्यान में आया है। रिपोर्ट के बाद जेल मंत्रालय ने तेजी से कार्रवाई की और ऐसी किसी भी नेटवर्क को खत्म करने के अभियान छेड़ दिया है। खबरों के मुताबिक ऐसे नेटवर्क ने कथित तौर पर कई कैदियों के भागने में मदद की थी।

भारत खुद पाक ...

ने बुधवार को अमेरिकी सांसदों एवं सरकारी अधिकारियों के साथ बैठकें कीं। थरूर ने कहा कि मैं बस इतना कह सकता हूं कि हम अमेरिका के राष्ट्रपति के पद और अमेरिकी राष्ट्रपति का बहुत सम्मान करते हैं। हम अपने लिए बस इतना ही कह सकते हैं कि हमने कभी किसी से मध्यस्थता करने के लिए नहीं कहना चाहा। उन्होंने बुधवार को यहां *नेशनल प्रेस क्लब* में कहा कि भारत को पाकिस्तानियों को उन्हीं की भाषा में जवाब देने में कोई दिक्कत नहीं थी। उन्होंने कहा कि जब तक वे आतंकवाद की भाषा का इस्तेमाल करते रहेंगे, हम बल की भाषा का इस्तेमाल करेंगे। इसके लिए किसी तीसरे पक्ष की जरूरत नहीं है। विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष थरूर इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। इस प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों में सरफराज अहमद (झारखंड मुक्ति मोर्चा), जी. हरीश बालयोगी (तेलुगु देशम पार्टी), शशांक मणि त्रिपाठी (भारतीय जनता पार्टी), भुवनेश्वर कलिता (भारतीय जनता पार्टी), मिलिंद देवरा (शिवसेना), तेजस्वी सूर्या (भारतीय जनता पार्टी) और अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत तरनजीत संधू शामिल हैं। यह प्रतिनिधिमंडल 24 मई को भारत से न्यूयॉर्क पहुंचा था और फिर यह गुयाना, पनामा, कोलंबिया एवं ब्राजील की यात्रा करके वॉशिंगटन आया। थरूर ने कहा कि अगर पाकिस्तान आतंकवाद के बुनियादी ढांचे को खत्म कर दे तो हम उनसे बात कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर वे यह दिखाने के लिए गंभीर कदम उठाते हैं कि वे हमारे साथ सामान्य संबंध बहाल करना चाहते हैं तो हम किसी मध्यस्थ की आवश्यकता के बिना उनसे निश्चित रूप से फिर से बात कर सकते हैं। थरूर ने कहा कि जैसा कि मैंने कहा, इस संघर्ष के दौरान किसी भी स्थिति में भारत को इस बात की जरूरत नहीं थी कि कोई उसे रुकने के लिए कहे। किसी को भी हमें *रुकने* के लिए कहने की आवश्यकता नहीं थी क्योंकि हम उनसे कह रहे थे कि जैसे ही पाकिस्तान रुकेगा, हम रुकने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए यदि उन्होंने पाकिस्तानियों से कहा कि *आप रुक जाइए क्योंकि भारतीय रुकने को तैयार हैं* और उन्होंने ऐसा ही किया तो यह पाकिस्तान को लेकर उनकी ओर से एक अच्छा कदम था। उन्होंने कहा कि हम बस इतना ही कह सकते हैं कि हमारी बातचीत में इनमें से कुछ बातें सामने नहीं आईं। थरूर ने कहा कि वह यह बात *रचनात्मक भावना* से कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे मन में अमेरिका के लिए बहुत सम्मान है, और वाशिंगटन के साथ हमारी बहुत महत्वपूर्ण, मूल्यवान रणनीतिक साझेदारी है जिसे हम किसी छोटी सी बात के कारण जोखिम में नहीं डालना चाहेंगे। हम इस समय सहयोग के कई क्षेत्रों के बारे में बात कर रहे हैं, हम उन सभी को बढ़ाने में रुचि रखते हैं। इसलिए छोटी-छोटी बातें हो सकती हैं लेकिन हम कल पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

यूएस में जोरदार ...

समय हुआ जब थरूर एक बहुपक्षीय संसदीय दौरे के तहत अमेरिकी अधिकारियों से मिलने नेशनल प्रेस बिल्डिंग पहुंचे थे। प्रदर्शनकारियों के हाथों में पाकिस्तान और अमेरिका के झंडे थे और वे *सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे)* नामक प्रतिबंधित संगठन से जुड़े बताए जा रहे हैं। विरोध के दौरान न केवल भारत विरोधी नारे लगाए गए, बल्कि एक प्रदर्शनकारी ने सार्वजनिक रूप से भारतीय तिरंगे को फाड़कर उसकी बेअदबी की, जिसकी वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी है। शशि थरूर ने विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह विरोध लोकतंत्र और भारत के नागरिक अधिकारों को कमजोर करने की कोशिश है। हम यहां शांति और लोकतंत्र का संदेश लेकर आए हैं। इस तरह की हरकतें हमें डराने वाली नहीं हैं। हालांकि अभी तक भारत सरकार या विदेश मंत्रालय की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन कूटनीतिक सूत्रों के अनुसार, भारत सरकार अमेरिकी प्रशासन के समक्ष इस घटना को लेकर कड़ी आपत्ति जता सकती है। साथ ही, भारतीय प्रतिनिधिमंडलों और दूतावासों की सुरक्षा पर चिंता व्यक्त की जा सकती है। खालिस्तानी समर्थकों द्वारा विदेशों में भारत विरोधी गतिविधियां कोई नई बात नहीं हैं। इससे पहले भी कनाडा, ब्रिटेन और अमेरिका में भारतीय राजनयिकों और तिरंगे के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन और अपमानजनक घटनाएं सामने आ चुकी हैं। जगदीप सिंह नामक यूजर द्वारा शेयर किए गए वीडियो को सोशल मीडिया पर हजारों बार देखा जा चुका है। इस वीडियो को लेकर लोग दो गुटों में बंट गए हैं। कुछ इसे *अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता* बता रहे हैं, जबकि अधिकतर यूजर्स इसे *भारत विरोधी घृणित कृत्य* कहकर इसकी निंदा कर रहे हैं।

खड़गे-राहुल ने ...

इंदिरा भवन में हुई। इसमें कांग्रेस के संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि मणिपुर में हालात सामान्य करने के लिए जल्द से जल्द एक राजनीतिक समाधान जरूरी है। इस बैठक में मणिपुर के कांग्रेस प्रभारी सप्तगिरी उल्का, प्रदेश कांग्रेस समिति (पीसीसी) अध्यक्ष केशम मेघचंद्र सिंह और अन्य नेता भी शामिल हुए। बैठक के बाद वेणुगोपाल ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि मणिपुर पिछले दो साल से भीषण गृहयुद्ध जैसी स्थिति से गुजर रहा है। इसे सामान्य करने के लिए एक राजनीतिक समाधान की आवश्यकता है। कांग्रेस लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह करती रही है कि वह मणिपुर का दौरा कर वहां की जनता का दर्द समझें और हिंसा से प्रभावित लोगों का भरोसा बहाल करें।

गुवाहाटी में 100 बेड के आधुनिक मातृ एवं शिशु अस्पताल का मुख्यमंत्री ने किया उद्घान

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को गुवाहाटी में 100 बेड के नेओटिया भगिरथी वीमेन एंड चाइल्ड केयर सेंटर का उद्घाटन किया। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में यह सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल असम सरकार के साथ किए गए एक एमओयू के तहत अंबुजा नेओटिया हेल्थकेयर वेंचर लिमिटेड द्वारा स्थापित किया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि गुवाहाटी न सिर्फ पूर्वोत्तर भारत बल्कि आसियान देशों के लिए भी एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा केंद्र के रूप में उभर रहा है। ऐसे में इस अत्याधुनिक अस्पताल की स्थापना से महिला व बच्चों के लिए उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित होंगी। यह संस्थान प्रसूति, स्त्रीरोग, नवजात शिशु चिकित्सा, बांझपन उपचार और बाल रोग जैसी विशिष्ट सेवाएं प्रदान करेगा। वर्तमान में राज्य

सरकार स्वास्थ्य सेवाओं और मेडिकल शिक्षा को सुलभ व विस्तृत बनाने को प्राथमिकता दे रही है। राज्य भर में 24 मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की दिशा में कार्य चल रहा है। गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल को 5000 बेड तक विस्तारित करने के लिए भी कदम उठाए गए हैं। गुवाहाटी में अब दो मेडिकल कॉलेज और अस्पताल लोगों और विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अंबुजा नेओटिया हेल्थकेयर वेंचर लिमिटेड को असम में अपने इस स्वास्थ्य सेवा विस्तार के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि यह अस्पताल महिलाओं और बच्चों के लिए गुणवत्ता युक्त स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि असम में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं और यह नया अस्पताल इस दिशा में एक मील का पत्थर है। इस अवसर पर अंबुजा नेओटिया ग्रुप के चेयरमैन हर्षवर्धन नेओटिया ने अस्पताल की विशेषताओं पर प्रस्तुति दी, जबकि एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर पार्थिव नेओटिया ने पूर्वोत्तर में हेल्थकेयर के विस्तार को लेकर समूह की दृष्टि साझा की। कार्यक्रम में स्थानीय विधायक दिगंत कालिता भी उपस्थित रहे।

एपीएससी परीक्षा 8 जून से, परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लागू

गुवाहाटी (हिंस)। असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) द्वारा 8 जून को आयोजित की जा रही संयुक्त प्रतियोगी (प्रारंभिक) परीक्षा, 2024 के शांतिपूर्ण और निष्पक्ष आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए गुवाहाटी पुलिस आयुक्तालय ने निषेधाज्ञा जारी की है। इस आदेश के अनुसार, परीक्षा के दिन गुवाहाटी पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्राधिकार के अंतर्गत 24 परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के भीतर आम नागरिकों का प्रवेश निषिद्ध रहेगा। यह आदेश परीक्षा के दोनों सत्रों- प्रात: 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और अपराह्न 2 से शाम 4 बजे तक- प्रभावी रहेगा। पुलिस उपायुक्त (प्रशासन) इमदाद अली ने आदेश में कहा गया है कि परीक्षा में कुल 18,024 अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं। इसउ दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा फेसबुक, व्हाट्सऐप, ट्विटर, यूट्यूब आदि के माध्यम से अनुचित साधनों का उपयोग किया गया था। इसके अलावा, बाहरी व्यक्तियों द्वारा परीक्षा में हस्तक्षेप के प्रयास भी देखे गए थे। इसलिए सरकार ने निर्णय लिया है कि परीक्षा के समय सभी संभावित खामियों को बंद किया जाए, ताकि निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से योग्य अभ्यर्थियों का चयन सुनिश्चित किया जा सके। जिन व्यक्तियों को परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी उनमें वैध प्रवेश पत्र (एडमिट कार्ड) वाले परीक्षार्थी, परीक्षा आयोजन में संलग्न अधिकारी-कर्मचारी जैसे केंद्राध्यक्ष, पर्यवेक्षक, कक्ष निरीक्षक, ग्रेड-3 एवं ग्रेड-2 कर्मचारी, परीक्षा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी तथा एपीएससी, जिला प्रशासन या सरकार के द्वारा अधिकृत व्यक्ति शामिल हैं। आदेश का उल्लंघन करने वालों पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। आदेश 5 जून को हस्ताक्षरित कर लागू किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने दी योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। डॉ. शर्मा ने कहा कि प्रदेश की प्रगति और गरीबों एवं शोषितों के सशक्तिकरण के लिए योगी आदित्यनाथ का योगदान अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि मां कामाख्या और महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव से प्रार्थना करता हूं कि योगी को दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और अटूट सेवा-शक्ति प्राप्त हो। योगी आदित्यनाथ का आज 52वां जन्मदिन है। इस अवसर पर देशभर से नेता और आमजन उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं।

पानी से भरे गड्ढे में डूबने से तीन बहनों की मौत

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले के कृष्णाई इलाके में पानी से भरे गड्ढे में डूबने से तीन सगी बहनों की मौत हो गई। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि जिले के कृष्णाई के बल्ला इलाके में मछली पकड़ने के लिए जाते समय तीन बहनें खेतों के बीच खोदे गए गड्ढे में गिर गई। पानी से भरे गड्ढे में गिरने की वजह से तीनों बहनों की डूब कर मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से पानी से भरे गड्ढे में डूबे तीनों बहनों के शव बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। मृतकों की पहचान सविता बेगम (12), सरजीना बेगम (7) और आजमीना बेगम (12) के रूप में की गई है। इस हादसे के बाद पूरे इलाके में मातम छा गया।

कांग्रेस तय करेगी कि 2026 के असम चुनावों के लिए अकेले चुनाव लड़ेगी या क्षेत्रीय दलों के साथ समझौता करेगी

गुवाहाटी /नई दिल्ली। असम इकाई में फेरबदल के बाद कांग्रेस अब इस बात पर विचार करेगी कि राज्य में 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले अकेले चुनाव लड़े या क्षेत्रीय दलों के साथ समझौता करे। अगले साल का चुनाव इस पुरानी पार्टी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 2016 से विपक्ष में है और सत्ता हासिल करने के लिए बेताब है। चुनौती की प्रकृति को देखते हुए, स्थानीय दलों के साथ व्यापक आधार वाला समझौता करना है या नहीं, इस पर विचार करना कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण है, जिसने मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के नेतृत्व में 2001 से 2016 तक लगातार तीन कार्यकालों तक उत्तर-पूर्वी राज्य पर शासन किया। तरुण के बेटे गौरव गोगोई असम इकाई का नेतृत्व कर रहे हैं और सीधे मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा के खिलाफ खड़े हैं, इसलिए आने वाले महीनों में रणनीति बनाना कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण हो गया है। इसी के तहत राहुल गांधी ने एआईसीसी प्रबंधकों से 6 जून को राज्य नेतृत्व के साथ प्रासंगिक मुद्दों पर चर्चा करने को कहा है। असम के एआईसीसी प्रभारी जितेंद्र सिंह ने ईटीवी भारत से कहा कि राज्य की राजनीतिक मामलों की समिति 6 जून को आगे के रास्ते पर चर्चा करेगी। सभी प्रासंगिक मुद्दों पर विचार किया जाएगा। जहां तक गठबंधन का सवाल है, हम जमीनी स्थिति का आकलन करने और सुझाव देने का काम राज्य इकाई पर छोड़ देंगे। राज्य में 18 दलों का विपक्षी गठबंधन 2021 के विधानसभा चुनावों से पहले बना था, लेकिन नवंबर 2024 के उपचुनावों के दौरान इसमें दरार आ गई, खासकर बेहाली सीट पर, जिस पर कांग्रेस ने चुनाव लड़ने का फैसला किया, जिससे सहयोगी असम जातीय परिषद और रायजोर दल नाराज हो गए। सहयोगी दल इस बात से नाराज थे कि कांग्रेस ने बेहाली से पूर्व भाजपा नेता जयंत बोरा को मैदान में उतारा था। कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, गठबंधन अब केवल कागजों पर रह गया है और सहयोगियों को आश्वस्त करके इसे पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। अंदरूनी सूत्रों ने आगे कहा कि पार्टी का एक वर्ग अकेले चलने के पक्ष में है, लेकिन सभी गैर-भाजपा वोटों को एक साथ लाना बुद्धिमानी होगी। कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि गठबंधन की प्रकृति और दायरे पर बहस की जरूरत है, लेकिन इस पुरानी पार्टी के भीतर आम सहमति है कि बदरुद्दीन अजमल की एआईयूडीएफ को समझौते से बाहर रखा जाना चाहिए। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि पूर्व राज्य इकाई प्रमुख भूपेन बोरा, जो विपक्षी गठबंधन से एआईयूडीएफ को बाहर करने के पीछे मुख्य व्यक्ति थे, और नए राज्य इकाई प्रमुख गौरव गोगोई इस मुद्दे पर एक ही राय रखते हैं। सिंह ने कहा कि असम इकाई ने यह विचार किया था कि एआईयूडीएफ भाजपा की बी टीम है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि सभी 126 विधानसभा क्षेत्रों के लिए एक योजना तैयार की जाएगी, जो हर एक में पार्टी की ताकत पर निर्भर करेगी। साथ ही, किसी निर्वाचन क्षेत्र या इलाके से जुड़े मुद्दों को अलग-अलग लक्षित अभियानों के जरिए उठाया जाएगा। अभियान समिति के प्रमुख भूपेन बोरा ने ईटीवी भारत से कहा कि हम आने वाले दिनों में निश्चित रूप से एक आक्रामक अभियान शुरू करेंगे। हमारे पास राज्य सरकार के खिलाफ कई मुद्दे हैं, मुख्य रूप से भ्रष्टाचार। राज्य को फिर से विकास की जरूरत है। अभी, हमारे कई वरिष्ठ नेता बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को राहत पहुंचाने में व्यस्त हैं। 2021 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस केवल 29/126 सीटें जीत सकी और भाजपा के हाथों छह विधायक हार गई। 2016 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को केवल 26 सीटें मिली थीं।

बराक नदी की बाढ़ से बराक घाटी में रेल और सड़क मार्ग हुआ प्रभावित

गुवाहाटी (हिंस)। बराक नदी खतरे के निशान से काफी ऊपर बह रही है। इससे दक्षिणी असम यानी बराक घाटी के बड़े इलाके जलमग्न हो गए हैं। बाढ़ के पानी से आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। बराक घाटी में रेल और सड़क परिवहन दोनों में गंभीर व्यवधान का सामना करना पड़ रहा है, खासकर पांचग्राम, कटिगोरा और सालचपरा के प्रमुख मार्गों पर यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) ने पटरियों पर पानी भर जाने के कारण कई रेल सेवाओं को रद्द, पुनर्निर्धारित और शॉर्ट-टर्मिनेटेड किया है। बुधवार को जारी एक बयान में पुष्टि की गई कि दुल्लाबछेरा-सिलचर पैसेंजर ट्रेन (सं. 55687) और धर्मनगर-अगरतला पैसेंजर ट्रेन (सं. 55676) गुरुवार को रद्द रहेंगी। क्षेत्र के बाहर से आने वाले और बदरपुर में उतरने वाले यात्रियों को सिलचर पहुंचने के लिए चुनौतीपूर्ण और जोखिम भरी यात्रा का सामना करना पड़ रहा है। जलमग्न रेलवे लाइनों और दुर्गम सड़कों के कारण, कई यात्रियों को अपनी यात्रा पूरी करने के लिए नावों और पैदल चलने पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

प्रदेश कांग्रेस ने अवैध खनन की सीबीआई जांच की मांग की

गुवाहाटी (हिंस)। असम कांग्रेस ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करते हुए कार्बी आंग्लांग जिले में कथित अवैध पत्थर खनन की सीबीआई जांच की मांग की। यहां एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए, पूर्व राज्यसभा सदस्य रिपुन बोरा ने यह भी आरोप लगाया कि कार्बी आंग्लांग स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य तुलीराम रंग्हांग मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा के साथ सांठगांठ करके जिले में अवैध गतिविधियों की अनुमति दे रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करते हुए कार्बी आंग्लांग की पहाड़ियों में बड़े पैमाने पर अवैध पत्थर खनन हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और उसके आसपास खनन पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन यह बेरोकटोक चल रहा है। बोरा ने यह भी बताया कि असम सरकार ने 10 वन्यजीव अभयारण्यों के 10 किलोमीटर के दायरे से इको-सेंसिटिव जोन अधिसूचना वापस ले ली है, जिनमें से आठ कार्बी आंग्लांग में हैं। उन्होंने कहा कि तुलीराम रंग्हांग सीएम के साथ सांठगांठ करके ये सभी अवैध गतिविधियां कर रहे हैं। यही कारण है कि हम इन सभी गतिविधियों की सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर राजभवन में हरियाली की पहल

गुवाहाटी (हिंस)। पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन के वैश्विक प्रयासों के प्रति एकजुटता दर्शाते हुए राजभवन ने विश्व पर्यावरण दिवस-2025 मनाया, जिसमें हरित और सतत भविष्य के लिए सामूहिक संकल्प लिया गया। इस अवसर पर राज्यपाल के आयुक्त एवं सचिव एसएस मीनाक्षी सुंदरम् ने राजभवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पौधे भेंट किए। यह पहल धरती के संरक्षण और पारिस्थितिक संतुलन को बढ़ावा देने के सामूहिक संकल्प का प्रतीक रही। यह केवल एक प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि जैव विविधता और पर्यावरणीय चेतना

को सशक्त करने की दिशा में एक व्यावहारिक प्रयास भी था। सभा को संबोधित करते हुए सुंदरम् ने पृथ्वी की रक्षा और संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह पर्यावरण के पुनर्स्थापन और सतत विकास में सक्रिय योगदान दे। उन्होंने कहा, हमारी पृथ्वी केवल हमारा घर नहीं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए छोड़ी गई विरासत है। इसका संरक्षण हमारा परम कर्तव्य है। विश्व पर्यावरण दिवस 2025 की थीम *प्लास्टिक प्रदूषण को हराएं* (बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन) के संदर्भ में उन्होंने प्लास्टिक उपयोग को कम करने और दैनिक जीवन में पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण से लड़ना केवल नीति निर्धारण का विषय नहीं, बल्कि यह एक व्यक्तिगत और सामूहिक जिम्मेदारी है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पोती राज्यश्री चौधरी ने आईएनए मुख्यालय और संग्रहालय का दौरा किया

इंफाल। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पोती राज्यश्री चौधरी ने दूसरे दिन बिष्णुपुर स्थित आईएनए मुख्यालय और संग्रहालय का दौरा किया तथा स्वतंत्रता आंदोलन के महान भारतीय नेता को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उल्लेखनीय है कि 14 अप्रैल, 1944 को एक महत्वपूर्ण घटना में, अंग्रेजों के खिलाफ पहली बड़ी जीत के रूप में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नेतृत्व में आजाद हिंद फौज ने आज के मणिपुर राज्य के बिष्णुपुर के मोइरांग शहर पर कब्जा कर लिया था। यह वह स्थान है जहां आजाद हिंद फौज ने भारतीय धरती पर पहली बार भारतीय ध्वज फहराया था। यह दौरा एक प्रतिनिधिमंडल दल के हिस्से के रूप में किया गया जिसमें लेफ्टिनेंट कर्नल अश्विनी कुमार, आईपीएस-सीआरपीएफ और एनडीआरएफ के सेवानिवृत्त डीजीपी डॉ. पीएम नायर, हिमालय शिक्षा अनुसंधान एवं विकास के सीईओ प्रोफेसर नीरन गौतम, श्री शारदा सर्वज्ञ पीठ जम्मू और कश्मीर के परम पावन जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अमृतानंद देवतीर्थ जी महाराज और वरिष्ठ पत्रकार विश्वदीप गुप्ता शामिल थे।

बक्सा के मुशालपुर एचएस स्कूल में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

बाक्सा। जिला आयुक्त श्री गौतम दास ने बक्सा के मुशालपुर एचएस स्कूल में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया, जिसमें इस वर्ष के वैश्विक विषय पर प्रकाश डाला गया। प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना। यह कार्यक्रम असम सरकार के पर्यावरण और वन विभाग के सहयोग से सांस्कृतिक मामलों के विभाग द्वारा आयोजित किया गया था। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, डीसी श्री गौतम दास ने एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक को खत्म करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया और प्लास्टिक कचरे से उत्पन्न पर्यावरणीय खतरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को अपने माता-पिता और समुदाय के सदस्यों से प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आग्रह करके परिवर्तन के राजदूत के रूप में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया, खासकर बाजारों में। उन्होंने आउटिंग और पिकनिक के दौरान पुनः प्रयोज्य पानी की बोतलों का उपयोग करने और दैनिक जीवन में प्लास्टिक के उपयोग को समाप्त करने की शपथ लेने जैसे संधारणीय तरीकों को अपनाने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में स्कूल परिसर के भीतर जिला आयुक्त के नेतृत्व में पौधारोपण अभियान शामिल था। इस पहल को स्थानीय मोटरसाइकिल क्लब, कचहरी हॉग्स और एमसी बोडोलैंड ने समर्थन दिया, जिन्होंने पर्यावरण संरक्षण के संदेश को फैलाने में हाथ मिलाया। डीसी श्री दास ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे पौधों को तब तक पोषित करने की जिम्मेदारी लें, जब तक कि वे पूर्ण विकसित वृक्ष न बन जाएं। नदियों में प्लास्टिक प्रदूषण के विषय पर आधारित *नोदिर असुख* (*नदी की बीमारी*) नामक एक नुक्कड़ नाटक, नॉर्थ ईस्ट ड्रामा एंड फिल्म मैनेजमेंट सोसाइटी, गुवाहाटी द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस नाटक में प्लास्टिक कचरे के गंभीर पारिस्थितिक प्रभाव पर प्रकाश डाला गया और इस मुद्दे को हल करने के लिए सामूहिक कार्रवाई का आग्रह किया गया। कार्यक्रम में एडीसी जीतू राज गोगोई, एडीसी मुस्तफा सलीम अहमद, मुशालपुर हाई स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती निरुपमा हलोई, डीएफओ प्रदीप कुमार भुइयां, जिला डीपीओ (टीटी) प्रणव ज्योति कलिता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यभर में विभिन्न संगठनों ने पौधरोपण कर मनाया पर्यावरण दिवस

बोंगाईगांव/नगांव/रंगिया (विभास/ निसं)। विश्व पर्यावरण दिवस के पावन अवसर पर 5 जून को बंगाईगांव में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल की गई। मारवाड़ी सम्मेलन, बंगाईगांव शाखा और बंगाईगांव महिला शाखा के संयुक्त तत्वावधान में नेताजी हिंदी विद्यापीठ हाई स्कूल, बीजी कॉलोनी, न्यू बंगाईगांव में एक भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें दोनों शाखाओं के अच्छी संख्या में पुरुष व महिला सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जिससे यह आयोजन अत्यंत सफल रहा। इस पुनीत कार्य में उपस्थित सभी सदस्यों ने धरती को हरा-भरा बनाने और एक बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए मिलकर एक मजबूत कदम उठाया। प्रकृति से जुड़ने और पर्यावरण संवर्धन के इस अभियान में उनकी सहभागिता ने कार्यक्रम को एक नई ऊर्जा प्रदान की। कार्यक्रम का शुभारंभ शाखा के सहसचिव ब्रह्म शर्मा ने करते हुए मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों और उपस्थित सदस्यों का परिचय नेताजी हिंदी विद्यापीठ हाई स्कूल के प्रधानाचार्य और सभी अध्यापकों से करवाया। तत्पश्चात, स्कूल प्रधानाचार्य ने भी सम्मेलन के सभी सदस्यों को अपने स्कूल के अध्यापकों से परिचित कराया। मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों द्वारा स्कूल प्रधानाचार्य सहित सभी अध्यापकों का चुनड़ी तथा फूलाम गमछा पहनाकर हार्दिक स्वागत किया गया जो आपसी सम्मान और सहयोग का प्रतीक है। इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय उपाध्यक्ष राजेंद्र जी हरलालका, शाखा के उपाध्यक्ष प्रकाश जी बैद, महिला शाखा की अध्यक्षा मंजू दुगड़ ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन दिए। प्रांतीय उपाध्यक्ष राजेंद्र हरलालका ने विद्यार्थियों को

पर्यावरण के प्रति जागरूक करने और कम से कम 10 पौधे लगाने हेतु प्रेरित करने की बात कही। सभी वक्ताओं ने पर्यावरण के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी पर जोर देते हुए कहा कि पेड़ लगाना केवल पौधे रोपना नहीं, बल्कि भविष्य के लिए सांसें बोना है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के गंभीर प्रभावों और हमारी पृथ्वी को बचाने के लिए तत्काल उठाए जाने वाले कदमों पर विस्तृत चर्चा की और सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने और प्रकृति का सम्मान करने का आग्रह किया। पर्यावरण पर दिए गए इन महत्वपूर्ण विचारों के बाद सभी सदस्यों ने स्कूल परिसर में 51 पौधे लगाए जो पर्यावरण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वृक्षारोपण के उपरांत, स्कूल के मैदान में एक सभा का आयोजन किया गया जिसमें स्कूल के सभी विद्यार्थी उपस्थित थे। इस सभा में स्कूल प्रशासन ने मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों उपाध्यक्ष प्रकाश बैद, सचिव राजकुमार कोठारी, महिला शाखा की अध्यक्षा श्रीमती मंजू दुगड़, सचिव श्रीमती चंदा भंसाली तथा प्रांत के उपाध्यक्ष राजेंद्र हरलालका का फुलाम गामोछा से सम्मान किया गया और अध्यापकों द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि कैसे हमारी छोटी-छोटी आदतें भी पर्यावरण को बचाने में बड़ा योगदान दे सकती हैं, चाहे वह पानी बचाना हो, बिजली का कम उपयोग करना हो या कचरा कम करना हो। वहीं शाखा के सचिव राजकुमार कोठारी द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं विश्व पर्यावरण दिवस पर अपनी बात रखी गई। उन्होंने कहा कि पर्यावरण सिर्फ हमारे लिए नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक धरोहर है, जिसे सुरक्षित रखना हमारा परम कर्तव्य है। उन्होंने वृक्षारोपण के साथ-साथ जल संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त जीवन शैली और नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग पर भी जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में स्कूल के सभी बच्चों को मिठाई और पेय पदार्थ वितरित किए गए, जिससे उनके चेहरों पर खुशी छा गई। इस प्रकार, यह भव्य और सार्थक कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम मारवाड़ी सम्मेलन की पर्यावरण के प्रति गहरी प्रतिबद्धता और समाज सेवा की भावना को दर्शाता है। ऐसे प्रयासों से निश्चित रूप से एक हरित और स्वस्थ भविष्य की नींव रखी जाएगी। कार्यक्रम को सफलता तक पहुंचाने में ब्रह्म शर्मा तथा मनीष लखोटिया का विशेष सक्रिय सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन महेश कुमार अग्रवाल ने किया। **नगांव** से हमारे संवाददाता के अनुसार विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच, नगांव शाखा द्वारा वृहस्पतिवार को श्री कृष्णाश्रम शिव मंदिर परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत नीम, एलोवेरा सहित 20 से अधिक औषधीय एवं लाभकारी पौधे लगाए गए। इस अवसर पर समाज के कई गणमान्य एवं सम्माननीय व्यक्तियों की उपस्थिति रही। मुख्य रूप से अग्रवाल सभा के अध्यक्ष राधारमण खाटूवाला, रघुबीर आलमपुरिया, राजेंद्र प्रसाद मुंदडा जगदीश प्रसाद लोहिया, बिनोद मोर तथा दिलीप सोभासारिया उपस्थित थे। मंच के अध्यक्ष विनायक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष गौतम मुंदडा, पंकज हरलालका सहित अन्य सदस्यगणों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष विनायक अग्रवाल ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ हरित क्रांति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने सभी अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मंच भविष्य में भी इसी प्रकार के सामाजिक व पर्यावरणीय कार्यों में अग्रसर रहेगा। **रंगिया** से हमारे संवाददाता के अनुसार विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रंगिया महकमा अस्पताल परिसर में गुरुवार को पौधारोपण कार्यक्रम किया गया। अस्पताल के उप अधीक्षक डॉ. दिलीप कुमार वैश्य के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान अस्पताल प्रांगण में कई औषधीय गुणों एवं फल मूल के पौधे लगाए गए। पौधरोपण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए डॉ. दिलीप कुमार वैश्य ने कहा कि वृक्षों का मानव जीवन और पर्यावरण में संतुलन स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान है। विश्व पर्यावरण दिवस हमें अपनी पृथ्वी, अपने पर्यावरण के प्रति हमारी सामूहिक और व्यक्तिगत जिम्मेदारियों को याद दिलाता है। यह केवल एक दिन का उत्सव नहीं है, बल्कि यह एक प्रतिज्ञा है कि हम अपने ग्रह को स्वस्थ और हरा-भरा बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास करें। हमारे आसपास अगर पेड़ पौधे रहे तो हमारा वातावरण भी शुद्ध रहेगा। ऑक्सीजन की भी कमी नहीं होगी और हम निरोग रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान डॉ. ताहेर मजूमदार और वरिष्ठ स्वास्थ्य कर्मी गौतम कलिता द्वारा पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम में आख्तार अहमद, अशोक शर्मा, अमूल्य वैश्य, टिकेंद्रजीत डेका, आमानुल हुसैन, जूमी बर्मन, रजनी बोरो और बाशेद अली उपस्थित रहे।

संपादकीय

इस कोरोना का यथार्थ

कोरोना वायरस का संक्रमण लगातार फैलता जा रहा है। हमारी निगाह संक्रमित मरीजों की संख्या पर थी। आश्वस्त किया जा रहा था कि कोरोना वायरस की यह नस्ल उतनी भयावह नहीं है, जितनी हम कोरोना की तीन लहरों के दौरान देख और झेल चुके हैं। यह नस्ल संक्रामक जरूर है, तेजी से फैलती है, लेकिन अपेक्षाकृत मारक नहीं है, लिहाजा चिंता न करें, लेकिन सावधानी जरूर बरतें। अब देश में संक्रमित लोगों की संख्या 4000 को पार कर चुकी है और दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी हस्तक्षेप कर केंद्र सरकार से स्टेटस रपट तलब की है, तब हम भी कुछ चिंतित हुए हैं। शुक्र है कि अदालत ने सरकार को नोटिस नहीं भेजा, क्योंकि देश में सैंपल कलेक्शन और पैथ लैब को लेकर कोई मानक प्रक्रिया ही नहीं है। जांच की गुणवत्ता पर भी सवाल उठते रहे हैं, क्योंकि पैथ लैब की रपटों में गहरी भिन्नता है। यह कोरोना की पूर्व लहरों के दौरान महसूस किया जा चुका है। फिलहाल केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक आदि राज्यों में संक्रमण का ज्यादा प्रभाव देखा गया है। अकेले केरल में ही संक्रमित मरीजों की संख्या 1500 के पास पहुंच चुकी है। आर्थिक राजधानी मुंबई और देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है। फिलहाल मौतों की संख्या आधा दर्जन है और 146 करोड़ की आबादी वाले देश में यह आंकड़ा नगण्य है। अभी तक जो मौतें हुई हैं, वे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, निमोनिया, गुर्दे की पुरानी बीमारी, एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम आदि पहले से ही मौजूद बीमारियों के कारण हुई हैं, लेकिन चिकित्सकों ने यह स्पष्ट नहीं किया कि कोरोना संक्रमण का असर कितना था? जिन राज्यों में संक्रमण तेजी से फैल रहा है, वे बेहतर संसाधनों और स्वास्थ्य ढांचे वाले राज्य हैं, लिहाजा उनकी जिम्मेदारी अधिक है कि संक्रमण का न्यूनतम विस्तार होना चाहिए। 2020-22 के दौरान भी कोरोना की शुरुआत इसी तरह हुई थी। अंततः 5.3 लाख मौतें दर्ज की गईं। जो मौतें दर्ज नहीं की जा सकीं, उनका आंकड़ा भी काफी होगा! गैर-सरकारी संगठन और एजेंसियां यह संख्या 45-47 लाख मानती हैं। बहरहाल उतनी दहशत में आने की जरूरत नहीं है, क्योंकि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) का कहना है कि ज्यादातर कोरोना संक्रमण हल्के हैं। उन्होंने एलएफ-7, एक्सएफजी, जेएन-1 और एनबी-1.8.1 जैसे कुछ सब-वेरिएंट की पहचान की है। उनमें एलएफ-7, एक्सएफजी और जेएन-1 सबसे सामान्य हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मई, 2025 तक ऐसे कोरोना वायरस को 'वेरिएंट्स अंडर मॉनिटरिंग' के वर्ग में रखा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन में मुख्य वैज्ञानिक रह चुकीं सौम्या स्वामीनाथन ने भी कहा है कि यह 2020-21 के भयानक दौर की वापसी का संकेत नहीं है, लेकिन इसके मायने ये भी नहीं हैं कि इसको हल्के में लिया जाए। चूंकि भारत में 70 फीसदी से अधिक आबादी में कोरोना का टीकाकरण हो चुका है, लिहाजा महामारी विशेषज्ञों और मेडिकल बिरादरी का मानना है कि कोरोना का मौजूदा वेरिएंट 'मौसमी फ्लू' से कुछ ही ज्यादा है। लेकिन थाईलैंड की खबर है कि वहां करीब 2.5 लाख लोग कोरोना की गिरफ्त में आ चुके हैं। यह सही है कि इस संक्रमण के लक्षण हल्के हैं, लेकिन पहले से गंभीर बीमारियों के शिकार लोगों, बच्चों और बुजुर्गों को किसी भी तरह की लापरवाही भारी भी पड़ सकती है। भारत में सिर्फ कोरोना का ही संकट नहीं है, लेकिन एच5एन1, डेंगू, चिकनगुनिआ, निपाह, जीका आदि खतरनाक वायरसों की घर-घर चर्चा है। ये संक्रमण भी फैलते हैं और मौतें भी होती हैं। हमने इनसे सबक सीखे हैं। जन स्वास्थ्य मशीनरी में जहां भी कमजोर कड़ी दिखाई देती है, उसे बेनकाब किया जाता है। हालांकि इन पर भी सवाल हैं। वायरस की नस्ल की पहचान करने में ही लंबा वक्त खर्च हो जाता है, संक्रमण के अनुपात में ऐसी प्रयोगशालाएं बेहद कम हैं, जिनमें पूरी तरह जांच के उपकरण हों। क्या हमने उनकी जिम्मेदारी तय की है? हमारी निगरानी प्रणालियां, स्वास्थ्य ढांचा और सामुदायिक देखभाल भी पर्याप्त नहीं हैं। कोरोना इस बार खतरा साबित न हो, लेकिन हम नहीं जानते कि कब, कहां और कौन-सा वायरस फैल सकता है और हम मौत के मुहाने तक पहुंच सकते हैं। बहरहाल, चिंतित होने की जरूरत नहीं है, लेकिन सतर्कता बरतना बहुत जरूरी है। केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर इससे निपटने के लिए आवश्यक इंतजाम कर लेने चाहिएं।

हमारी निगाह संक्रमित मरीजों की संख्या पर थी। आश्वस्त किया जा रहा था कि कोरोना वायरस की यह नस्ल उतनी भयावह नहीं है, जितनी हम कोरोना की तीन लहरों के दौरान देख और झेल चुके हैं। यह नस्ल संक्रामक जरूर है, तेजी से फैलती है, लेकिन अपेक्षाकृत मारक नहीं है, लिहाजा चिंता न करें, लेकिन सावधानी जरूर बरतें। अब देश में संक्रमित लोगों की संख्या 4000 को पार कर चुकी है और दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी हस्तक्षेप कर केंद्र सरकार से स्टेटस रपट तलब की है, तब हम भी कुछ चिंतित हुए हैं। शुक्र है कि अदालत ने सरकार को नोटिस नहीं भेजा, क्योंकि देश में सैंपल कलेक्शन और पैथ लैब को लेकर कोई मानक प्रक्रिया ही नहीं है। जांच की गुणवत्ता पर भी सवाल उठते रहे हैं, क्योंकि पैथ लैब की रपटों में गहरी भिन्नता है। यह कोरोना की पूर्व लहरों के दौरान महसूस किया जा चुका है। फिलहाल केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक आदि राज्यों में संक्रमण का ज्यादा प्रभाव देखा गया है।

आप का नजरीया

क्यों रूठा खेत से पर्यावरण

सेब के पौधों के नीचे बंदर की बर्बरता के निशान उस बागबान से पूछें जिसकी फसल को जंगली जानवर तबाह कर देते हैं। निकली ये आहें हमारी ही जमीं की, हम समझते पर्यावरण चोरी हो गया। मजबूर किसान या बागबान आवारा पशुओं, वन्य प्राणियों या बंदरों से आजिज होकर अंततः अपने इर्द-गिर्द की हरियाली को ही रुखसत करता है। हिमाचल में पर्यावरणीय चेतना खेत के बजाय, जंगल में योद्धा है, जहां से निकल वन्य प्राणी या तो खेत खोद रहे हैं या फलोत्पादन की वजह रोक रहे हैं। हर फसल से मिट्टी का स्वास्थ्य पूछा जाता है, तो खेत से बहती हवा का रास्ता घर तक पूछा जाता। पूरी घाटियां कभी खेती के गीत गाती थीं, आज मानवीय प्रगति के नश्तर लिए कंक्रीट के जंगल उगा रही हैं। आश्चर्य है खेत को बंजर बनाने की प्रक्रिया को हमने पर्यावरण संरक्षण में नहीं समझा। पर्यावरण अनुकूल खेती तब होगी, अगर खेत आवारा पशुओं या बंदरों से बच जाएंगे। खाद में रसायन और झाड़ में कीटनाशक कम होंगे। पर्यावरण के प्रति जागरूकता का अर्थ धरती-परिवेश से जुड़ाव है, लेकिन हमारे जीवन से सामुदायिक भावना ही विलुप्त हो चुकी है। जीवन के प्रति हमारी संवेदना, घर के व्यक्तित्व में रिसाव और जीवनशैली में शहरीकरण की घुसपैठ से सब कुछ बदल गया। हम कभी पर्यावरण को अपनी दिनचर्या और परिवेश से रिश्ते में महसूस करते थे। अब न तो खेत हमारे करीब रहा और न ही खेत हरियाली के लायक रहा। भूमि सुधार कानून में सामाजिक उत्थान की परिकल्पना तो की, लेकिन अधिकारों की नई जंग में खेत का चरित्र बदल गया। मुजारों को मिली जमीन अब खेती की तपस्या के बजाय बिक्री का सामान हो गई। लैंड सीलिंग एक्ट ने वास्तव में खेत के आचरण की ही सीलिंग कर दी। राजनीति जो सोचती है, उसके विपरीत यथार्थ के प्रश्न संबोधित होते हैं। जहां से चारा मिलता था या जिस चरागाह में पशुधन को जीने का गुजारा मिलता था, वहां वनीकरण की कोंपलों में चीड़ के सख्त दरख्त ने, किसान के पशुओं से रिश्ते भी सख्त कर दिए। आधुनिकता और आधुनिक उपकरणों की सुविधा ने मिट्टी से हल छीन लिया, तो सारा पशुधन आवारा बन कर खेत को चरागाह मानने लगा। कभी नौतोड़ जमीनों का आबंटन इस शर्त पर हुआ कि लैंडलैस किसान फसल उगाएंगे, लेकिन ये जमीनें भी बिक कर पर्यावरण विरोधी हो गईं। पर्यावरण विरोधी हो गया गांव का घराट, क्योंकि इसके पत्थर नवनिर्माण में लग गए। जो राज्य बाहरी प्रदेशों से दूध आयातित करता हो, वहां पर्यावरणीय क्षति की तहजीब बन रही है। लोग खेतों को खेती से दूर रखकर पालतू पशुओं को भी डिपो का सस्ता राशन खिला रहे हैं। अब खेत तक नहीं आती कूहल, लेकिन पूरी बरसात जब आती है तो मिट्टी का क्षरण मांग करता है कि जल-पोषक तत्व प्रबंधन किया जाए। आश्चर्य यह कि पर्यावरण के नाम पर जंगल की वकालत में हमारी योग्यता की जमीन पर भी कोई मंजर न रहा। हम पराली तो नहीं, घास के लिए जंगल जलाते हैं। अब पुनः कोशिश है कि जैविक या प्राकृतिक खेती की सुगंध पर्यावरण में फैले। पांगी घाटी हो या लाहुल-स्पीति के खेत, वहां खेती से जुड़ा पर्यावरण मानवीय जीवन के वास्तविक आधार को पुष्ट करता है। हाइड्रोपोनिक्स व पारंपरिक मिट्टी आधारित खेती की तरफ मुड़ेंगे, तो घर आंगन तक पर्यावरण का सौहार्द आएगा।

प्लास्टिक कचरे की गंभीर समस्या से निपटने का एक वैश्विक संकल्प निश्चित ही एक समाधान की दिशा बनेगा

बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की जटिल पर्यावरण समस्या

ललित गर्ग

जलवायु एवं ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इंसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिये विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है, जो पर्यावरण, प्रकृति एवं पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय दिवस है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोज्य यह दिवस दुनिया भर के लाखों लोगों को हमारे ग्रह की सुरक्षा और पुनर्स्थापना के साझा मिशन के साथ एकजुट करता है। बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की एक गंभीर एवं जटिल समस्या है, इसीलिये 2025 में इस दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने पर केंद्रित है।

बढ़ते तापमान, बदलते जलवायु एवं ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इंसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिये विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है, जो पर्यावरण, प्रकृति एवं पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय दिवस है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोज्य यह दिवस दुनिया भर के लाखों लोगों को हमारे ग्रह की सुरक्षा और पुनर्स्थापना के साझा मिशन के साथ एकजुट करता है। बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की एक गंभीर एवं जटिल समस्या है, इसीलिये 2025 में इस दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने पर केंद्रित है। कोरिया गणराज्य वैश्विक समारोह की मेज़बानी करेगा। दशकों से प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया के हर कोने में फैल चुका है, यह हमारे पीने के पानी, हमारे खाने, हमारे शरीर, हमारे पर्यावरण में समा रहा है। इस प्लास्टिक कचरे की गंभीर समस्या से निपटने का एक वैश्विक संकल्प निश्चित ही एक समाधान की दिशा बनेगा। हर साल 430 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से लगभग दो-तिहाई केवल एक बार उपयोग के लिए होता है और जल्दी ही फेंक दिया जाता है। 1973 से संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में पर्यावरण जागरूकता के लिए यह दिवस सबसे बड़ा वैश्विक अभियान बन गया है, जो आज की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए 150 से अधिक देशों के विशाल वैश्विक दर्शकों को शामिल करता है। गत वर्ष इस दिवस की मेजबानी करते हुए सऊदी अरब ने भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए सकारात्मक प्रयासों का जश्न मनाया और पर्यावरण के मुद्दों पर काम करने वाले निजी और परोपकारी संगठनों के लिए अधिक समर्थन और वित्त पोषण की घोषणा की। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इन वर्षों में बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी। पूरी दुनिया में बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है, संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र को मृत क्षेत्रों में बदल रहा है और मानव जीवन पर तरह-तरह के खतरे पैदा कर रहा है। प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल

प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, प्रकृति, पर्यावरण, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना न केवल प्रकृति, कृषि, पर्यावरण वरन मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सरकारों को इस संकट से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये योजनाएं बनानी चाहिए, इसके लिये इस वर्ष की थीम से व्यापक बदलाव की संभावनाएं हैं। माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिकमुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को देखते हुए विभिन्न देशों की सरकारों ने ठान लिया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए कोई जगह नहीं होगी। भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व में ही देश को स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने की अपील करते हुए एक महाभियान का शुभारंभ कर चुके हैं। प्लास्टिक के कारण देश ही नहीं, दुनिया में विभिन्न तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसके सीधे खतरे दो तरह के हैं। एक तो प्लास्टिक में ऐसे बहुत से रसायन होते हैं, जो कैंसर का कारण माने जाते हैं। इसके अलावा शरीर में ऐसी चीज जा रही है, जिसे हजम करने के लिए हमारा शरीर बना ही नहीं है, यह भी कई तरह से सेहत की जटिलताएं पैदा कर रहा है। इसलिए आम लोगों को ही इससे मुक्ति का अभियान छेड़ना होगा, जागृति लानी होगी। शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 हजार प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। पिछली सदी में जब प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का अविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था, अब जब हम न तो इसका विकल्प तलाश पा रहे हैं और न इसका उपयोग ही रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की सबसे बड़ी असफलता एवं त्रासदी मान लिया जाए? अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे ने यहां बारिश के पानी के नमूने जमा किए। ये नमूने सीधे आसमान से गिरे पानी के थे, बारिश की वजह से सड़कों या खेतों में बह रहे पानी के नहीं। जब इस पानी का विश्लेषण हुआ, तो पता चला कि लगभग 90 फीसदी नमूनों में प्लास्टिक के बारीक कण या रेशे थे, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। ये इतने सूक्ष्म होते हैं कि हम इन्हें आंखों से नहीं देख पाते। लगातार पांव पसार रही माइक्रोप्लास्टिक की तबाही इंसानी गफलत को उजागर तो करती रही है, लेकिन समाधान का कोई रास्ता प्रस्तुत नहीं कर पाई। ऐसे में अगर विश्व पर्यावरण दिवस पर प्लास्टिक के संकट का दूर करने की कुछ ठानी है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। प्लास्टिक प्रदूषण की उससे भी ज्यादा खतरनाक एवं जानलेवा स्थिति है, यह एक ऐसी समस्या बनकर उभर रही है, जिससे निपटना अब भी दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है। कुछ समय पहले एक खबर ऐसी भी आई थी कि एक चिड़ियाघर के दरियाई घोड़े का निधन हुआ, तो उसका पोस्टमार्टम करना पड़ा, जिसमें उसके पेट से भारी मात्रा में प्लास्टिक की थैलियां मिलीं, जो शायद उसने भोजन के साथ ही निगल ली थीं। कनाडाई वैज्ञानिकों द्वारा माइक्रोप्लास्टिक कणों पर किए गए विश्लेषण में चौंकाने वाले नतीजे मिले हैं। विश्लेषण में पता चला है कि एक वयस्क पुरुष प्रतिवर्ष लगभग 52000 माइक्रोप्लास्टिक कण केवल पानी और भोजन के साथ निगल रहा है। इसमें अगर वायु प्रदूषण को भी मिला दें तो हर साल करीब 1,21,000 माइक्रोप्लास्टिक कण खाने-पानी और सांस के जरिए एक वयस्क पुरुष के शरीर में जा रहे हैं। अमेजन एवं फिलीपकार्ट जैसे आनलाइन व्यवसायी प्रतिदिन 7 हजार किलो प्लास्टिक पैकेजिंग बैग का उपयोग केवल भारत में करते हैं। इन कम्पनियों को भी प्लास्टिकमुक्त दुनिया के घेरे में लेने के लिये कठोर कदम उठाने चाहिए। संकट का एक पहलू यह भी है कि लोग सुविधा को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन प्लास्टिक के दूरगामी घातक प्रभावों को लेकर आंख मूंद लेते हैं।

देश दुनीया से

कर्म, विकर्म और अकर्म

जैसे जैसे मुझे जीवन की कुछ समझ आ रही है, वैसे-वैसे सिर्फ एक बात साफ नजर आनी शुरू हुई है कि अगर हम सचमुच जीवंत जीवन जीना चाहते हैं, तो हमें प्रकृति के नजदीक जाना होगा और प्राकृतिक जीवन जीना होगा, या प्रकृति को अपने जीवन में उतारना होगा। बचपन से ही हम 'असतो मा सद्गमय। तमसो मा ज्योतिर्गमय। मृत्योर्मामृतं गमय' प्रार्थना गाते आए हैं जिसका अर्थ है कि हे प्रभु, हमें असत्य से सत्य की ओर ले चलो, अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो, मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो। आइए, इस प्रार्थना पर थोड़ा गहराई से विचार करें। हम कहीं भी हों, परिवार में, दोस्तों में, नौकरी अथवा व्यवसाय में, या फिर समाज में, समस्याएं तो आती ही हैं। समस्याएं जीवन का शाश्वत सत्य हैं। जीवन है तो समस्याएं हैं, चुनौतियां हैं, फर्क यही है कि उन चुनौतियों के प्रति हमारा दृष्टिकोण क्या है और हम समस्याओं से कैसे निबटते हैं। समस्या आने पर हमारी प्रतिक्रिया हमारे जीवन को परिभाषित करती है। हमारी योग्यता के साथ-साथ हमारा व्यवहार भी हमारे जीवन का पैमाना गढ़ता है। अनुशासन में रहकर अपने काम में मन लगाना, पूरे मनोयोग से काम करना हमारी सफलता का कारण बनता है। जब हम मन लगाकर काम करते हैं तो हमारी कुशलता बढ़ती चलती है और हम एक्सपर्ट बन जाते हैं। इससे हमारा सम्मान बढ़ता है और प्रमोशन अथवा सफलता के अवसर बढ़ जाते हैं। जैसे-जैसे हम वरिष्ठ पदों पर आगे बढ़ते हैं, वैसे-वैसे अपने सहकर्मियों से हमारे संबंधों का महत्त्व बढ़ता चला जाता है। यह समझना आवश्यक है कि सहकर्मियों से सार्थक मेलजोल हमारी सफलता की सीढ़ी है। इससे हमें सफलता ही नहीं, खुशी भी मिलेगी। खुशी के बिना सफलता अधूरी ही नहीं, अर्थहीन है क्योंकि हमने सफल माने जाने वाले लोगों को, अमीर लोगों को, शक्तिशाली और समर्थवान लोगों को भी आत्महत्याएं करते हुए देखा है। अपने आप में ही सीमित हो जाने वाले लोग अकेले पड़ जाते हैं, पैसा और साधन होने के बावजूद किसी को अपना दुख बता नहीं पाते और सारा जीवन निराशा में बिता देते हैं, यही नहीं कभी-कभी तो आत्महत्या जैसे अतिवादी कदम भी उठा लेते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि हम केवल सफलता की दौड़ का घोड़ा बन कर न रह जाएं, बल्कि अपने आप से भी प्यार करना सीखें, मनचाही हॉबी विकसित करें और खुश रहें। अच्छा स्वास्थ्य, सफल कैरिअर और खुशनुमा जीवन ही हमारी जीवंतता की निशानी हैं, इसलिए हमें सदैव प्रयत्न करना चाहिए कि हम खुद पर भी ध्यान दें, अपने लिए समय निकालें, सैर करें, प्रकृति का आनंद लें, ठीक से भोजन करें और खुश रहें। जीवन में खुशियों और सफलता का यही एकमात्र मंत्र है। अब इसी को एक और नजरिये से भी देखते हैं। हम भारतीय लोग श्रीमद्भगवद्गीता को हर तरह के ज्ञान का सार मानते हैं और आदर्श जीवन की संहिता का-सा सम्मान देते हैं। भगवान श्री कृष्ण ने इसमें भक्ति योग, कर्म योग, राज योग और ज्ञान योग की व्याख्या की है। इसके साथ ही उन्होंने निष्काम कर्म की महत्ता को रेखांकित किया है। सात्विकता की, अध्यात्म की राह कोई भी हो, उन सब में कर्म एक अनिवार्य अंश है। हम कर्म के बिना रह ही नहीं सकते क्योंकि चाहे यह सायास हो या अनायास, पर जीवित रहने के लिए सांस लेना भी तो एक कर्म ही है। सांस लेना एक कर्म है, सोचना एक कर्म है। जीवन भर हम कर्म तो करते ही रहते हैं। कर्म की इसी महत्ता का परिणाम है कि भगवान श्री कृष्ण ने बार-बार जोर देकर अर्जुन को निष्काम कर्म के लिए प्रेरित किया है। निष्काम कर्म को समझना हो तो हमें कर्म, विकर्म और अकर्म के भेद को समझना होगा। हमारे दिमाग में दिन भर में जो विचार चलते रहते हैं, उनमें से कोई विचार हमारी कोई इच्छा बन जाए, कामना बन जाए, चाहत बन जाए तो हम उस पर फोकस हो जाते हैं। अब शुरू होता है इच्छापूर्ति के लिए काम। हम किसी भी तरह से अपनी उस इच्छा को, उस सपने को साकार करना चाहते हैं। इच्छा साकार हो जाए तो कुछ देर के लिए हम खुश हो जाते हैं और फिर किसी नई इच्छा की पूर्ति में लग जाते हैं। इच्छा पूरी न हो पाए, हमारा सपना साकार न हो पाए तो हम निराश हो जाते हैं, क्रोधित हो जाते हैं, शिकायतें करने लगते हैं, किस्मत को, हालात को या परमात्मा को दोष देने लग जाते हैं। जीवन में दुखों का मूल यही है। कामनापूर्ति के लिए किया गया हर काम हमारा 'कर्म' है। हम विद्यार्थी हों, नौकरी में हों, व्यवसाय में हों, वैज्ञानिक हों, खिलाड़ी हों, अभिनेता हों, राजनीतिज्ञ हों या कुछ भी और हों, अगर हम अपनी जिम्मेदारी पूरी न करें, काम न करने के बहाने खोजते रहें, तो यह 'विकर्म' है। काम से भाग जाना, काम न करना, अधूरे मन से काम करना, दिखावे का काम करना आदि सब विकर्म के उदाहरण हैं। अर्जुन कुरुक्षेत्र में युद्ध के मैदान में कौरवों की सेना के सामने खड़े हैं और युद्ध से विचलित हो रहे हैं। युद्ध से बचना संभव नहीं है, उस समय युद्ध उनका कत्तव्य है, तो भी अर्जुन निराश हैं, और युद्ध के मैदान में होने के बावजूद हथियार छोडक़र अपने रथ के पिछले हिस्से में जा बैठे, अगर वे युद्ध न करते तो यह उनका 'विकर्म' होता।

कुछ अलग

बड़ा जूता, अधिक पॉलिश

यह एक अजब हृदयहीन विसंगति है कि यहां मौत की पालिश से लोकप्रिय राजनीति के जूते को चमकाया जाता है। जूता जितना बड़ा हो, पालिश भी उतनी ही ज्यादा लगती है। बेशक हर मरने वाला प्रताड़ित होता है। सदियों से ऐसा ही होता चला आया है, लेकिन मारने वाले से बचाने वाला बड़ा है, जैसे स्थापित स्वर्णिम सूत्र आजकल नहीं चलते। अब तो यह देखना होता है कि मरने वाला है कौन? किस वर्ग का है, किस जाति का है? क्या वह किसी मुद्दे को उठाते हुए मरा या किसी विद्रोही अभियान में नारा लगाते हुए? वह क्या किसी चलती सडक़ पर अवरोध बन रहा था या अवरोध को उखाड़ कर रास्ता साफ कर रहा था? सीधी बात कहें, तो जो मर गया, क्या उसे किसी लिहाज से शहीद कहा जा सकता है? क्या वह किसी नारे को सार्थक कहते हुए बलिदान हुआ, या कि वैसे ही किसी अंधाधुंध वाहन की चपेट में आकर मर गया। देखिये जो तो सडक़ों पर पड़े नए-पुराने गड्ढा पहलवानों की चपेट में आ गए या नशे से बदमस्त किसी धनकुबेर के वाहन की चपेट में आए, वे सबसे अभागे हैं, क्योंकि इस मौत के प्रतिकार की चिल्लाहट लोकप्रिय राजनीति का कोई बड़ा बूट नहीं चमकाती। ये मामूली और पुरानी बातें हैं। अगर नशा माफिया की कृपा से मदमस्त धनकुबेर आधी रात को वाहन भगाते हैं, और कोई दीन-हीन फुटपाथी इसकी चपेट में आ गया, तो यह अवैध नशों द्वारा बांटा जाने वाला वह पुराना दुर्भाग्य है कि जिसके फलस्वरूप हर रोज या सप्ताह या महीने में फुटपाथी लोग काल-कलवित होते रहते हैं, या मृतकों का आंकड़ा बढ़ाते हैं। इसमें अधिक से अधिक एक विरोधी वक्तव्य प्रकाश में आएगा, कि लीजिये नशा माफिया पर लगाम लगाने का प्रण चुनावी एजैंडे में था, पूरा नहीं हुआ। इस बार हमें वोट देकर सत्ता की बागडोर दे दो, हम इसे पूरा कर देंगे। और अगर सडक़ों पर खुदे नए-पुराने गड्ढों से जान गई, तो यह मामला प्रशासन के निकम्मेपन का है, या बढ़ते हुए स्थानीय भ्रष्टाचार का है, जिसमें ऐन बारिश से पहले बनी बनाई सडक़ों को खोद स्मार्ट सिटी अभियान चलते हैं, की टिप्पणी बनती है। मौसम से लेकर पावर कट के झंझावात में लोग लुढक़ कर अपनी जान से जाते हैं। अधिक से अधिक यह भ्रष्टाचार के विरुद्ध रोना रोने का मामला है, जो इतना पुराना हो गया कि अब तो खबरों का फुटनोट बनता है, लोकप्रिय राजनीति का जूता क्या चमकाएगा? देश भ्रष्टाचार के सूचकांक में एक पायदान और चढ़ गया। यह जानना आजकल इतनी सामान्य बात हो गई है, जितनी कि यह जानना कि इस भीड़ भरे देश में अगर कोरोना का टीका भी कतार तोड़ आसानी से लगवाना हो तो किसी प्रभावशाली संपर्क की सीढ़ी का सहारा लो। वह छत पर तुरंत पहुंचा देगा।

दृष्टि कोण

पर्यावरण संरक्षण पर आश्रित मानव जीवन

आज पर्यावरण संरक्षण को लेकर देशव्यापी और विश्वव्यापी सेमिनार हो रहे हैं। कार्यशालाओं में व्याख्यान दिए जा रहे हैं और स्कूली विद्यार्थियों द्वारा रैलियां निकाली जा रही हैं। लेकिन धरातल पर प्रदूषण की मार और बदहाल तस्वीर यत्र, तत्र और सर्वत्र देखी जा सकती है। भारतीय संस्कृति एवं शास्त्रों में आज से हजारों वर्ष पूर्व पर्यावरण की सुरक्षा और वृक्षों को लेकर अनेक प्रार्थनाएं पढने को मिलती हैं। मत्स्य पुराण में कहा गया है कि, '10 कुओं के बराबर एक बावड़ी होती है, 10 बावडियों के बराबर एक तालाब होता है, 10 तालाबों के बराबर एक पुत्र होता है और 10 पुत्रों के बराबर एक वृक्ष होता है।' लेकिन हम लोग क्या कर रहे हैं, बेरहमी से वृक्षों का कटान कर रहे हैं। भारत की ज्ञान परंपरा कितनी विवेकसम्मत रही है इसका जीवंत उदाहरण यजुर्वेद के इस मंत्र से बढिया और कोई नहीं हो सकता है जिसमें साधक द्वारा जगत के समस्त जीवों, वनस्पतियों और प्रकृति में शांति बनी रहे, इसकी प्रार्थना की गई है : 'ओउम द्यौ : शान्तिरन्तरिक्षं शान्तिः पृथ्वी शान्तिरापः शान्तिरोषधयः शान्तिः। वनस्पतयः शान्तिर्विश्वे देवाः शान्तिब्रह्म शान्तिः सर्व शान्तिः शान्तिरेव शान्तिः सा मा शान्तिरेधि॥ ओउम शान्तिः शान्तिः शान्तिः॥' अर्थात- 'हे जगत के परमसत्ता परब्रह्मपरमेश्वर, शांति स्थापित करें, तीनों लोकों में, जल में, धरती में और आकाश में, अन्तरिक्ष में, अग्नि में, पवन में, औषधि में, वनस्पति, वन में, उपवन में सम्पूर्ण विश्व में, अवचेतन में शांति करें। जीवमात्र के हृदय में, मुझमें, तुझमें शांति करें। जगत के कण कण में शांति हो। ओउम शांति शांति शांति।' स्पष्ट है कि आज हमें अपनी प्राचीन संस्कृति में निहित इन्हीं ज्ञान परंपराओं का अनुपालन करने की आवश्यकता है। विश्व ने प्लास्टिक प्रदूषण से हो रही बर्बादी को लेकर 45वें विश्व पर्यावरण दिवस की थीम- 'प्लास्टिक प्रदूषण की समाप्ति' को इस बार भी यदि अपनी थीम घोषित किया है, तो आप इस एकमात्र तथ्य से अंदाजा लगा सकते हैं कि आज प्लास्टिक प्रदूषण को लेकर परिस्थितियां कितना भयावह रूप ले चुकी हैं। हम सभी जानते हैं कि यह जानलेवा पदार्थ प्राणियों की जिंदगी के लिए घातक है। विश्व की कुल पेट्रोलियम खपत का 4 फीसदी प्लास्टिक के उत्पादों के निर्माण हेतु इस्तेमाल किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार आज पूरे विश्व में प्रति वर्ष 500 अरब प्लास्टिक थैलियों का प्रयोग किया जाता है और हर साल 80 लाख टन प्लास्टिक कचरा समुद्र में गिराया जाता है जो कि समुद्री पर्यावरण एवं महासागरीय जीव जंतुओं, मछलियों तथा वनस्पतियों के लिए बेहद घातक है। आज दुनिया के महासागरों, नदियों और झीलों में 2000 ट्रकों के बराबर प्लास्टिक कचरा प्रतिदिन फेंका जाता है और प्लास्टिक प्रदूषण अब एक वैश्विक समस्या बन चुकी है। ग्लोबल एलायंस ऑफ हेल्थ एंड पॉल्यूशन तथा डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में जितने लोग कुपोषण, टीबी, मलेरिया से नहीं मरते उससे कहीं ज्यादा पर्यावरण प्रदूषण से मरते हैं। हिमाचल प्रदेश को प्रकृति का भरपूर प्यार, स्नेह, सान्निध्य और आशीर्वाद प्राप्त है और शायद प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के दृष्टिगत ही हिमाचल प्रदेश सरकार ने एक कानून के अंतर्गत 15 अगस्त 2009 से प्लास्टिक थैलियों के इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी थी। हिमाचल सरकार ने थर्मोकोल से बनी प्लेटों, डूनों और गलासों के प्रयोग पर भी रोक लगाई हुई है, जोकि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है। यह सही है कि आजकल हमारे विद्यालयों में प्राइमरी कक्षाओं से ही विद्यार्थियों को अपने परिवेश और पर्यावरण से जुड़े पाठों को पढ़ाया जाता है और पर्यावरण जागरूकता को लेकर कई प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन कर सामाजिक जागरूकता एवं चेतना जगाने का कार्य भी बढ़-चढक़र किया जाता है, फिर भी पर्यावरण प्रदूषण का खतरा कम होने का नाम नहीं ले रहा है। विज्ञान के क्षेत्र में हुई नई खोजों और आविष्कारों से भले ही आज हमारी जीवनशैली क्यों न बदल गई हो, लेकिन प्रकृति को हुए नुकसान और बिगड़े हुए संतुलन का जिम्मा कौन उठाएगा यह सवाल बरकरार है। जल, वायु, ध्वनि, प्लास्टिक और औद्योगिक प्रदूषण से हमारी प्रकृति को नुकसान पहुंच रहा है तो वहीं हमारे बच्चों के स्वास्थ्य को भी खतरा उत्पन्न हो गया है। ऋतु चक्कर गड़बड़ा गया है तो कार्बन डाइऑक्साइड की बढ़ती मात्रा के कारण ग्लोबल वार्मिंग का खतरा बढ़ गया है।

राजस्थान को पानी में आत्मनिर्भर बनाना हमारी प्राथमिकता : सीएम भजनलाल शर्मा

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जल ही जीवन है। हम सभी का कर्तव्य है कि हम प्रकृति का संरक्षण करें। उन्होंने कहा कि आज से शुरू हो रहे वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत प्रदेशभर में जल संचयन एवं पर्यावरण संरक्षण के तहत विभिन्न कार्य करवाए जाएंगे। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि जन सहभागिता को बढ़ावा देते हुए वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान में ज्यादा से ज्यादा श्रमदान करें। परंपरागत जलस्रोतों को स्वच्छ बनाएं जिससे वर्षा जल का संचयन हो। मुख्यमंत्री शर्मा गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के अवसर पर जयपुर के रामगढ़ में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत रामगढ़ बांध पर श्रमदान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम सब रामगढ़ बांध को एक बार फिर जल से परिपूर्ण करने के लिए श्रमदान करने के लिए एकत्रित हुए हैं। आज हमारे द्वारा बहाए गए पसीने की एक-एक बूंद भविष्य में यहां पानी के बड़े भंडार में बदलकर प्रदेशवासियों के लिए अमृत का काम करेगी। उन्होंने इस अवसर पर जल संचयन एवं संरक्षण के कार्य करने के लिए पत्रिका समूह का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने *एक*

पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जमवारामगढ़ में सिंदूर का पौधा लगाया। इस दौरान वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने तुलसी का पौधा भेंट कर मुख्यमंत्री का अभिवादन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वृहद स्तर पर जनमानस को जोड़ते हुए जल संग्रहण कार्यों के लिए राज्य सरकार द्वारा *वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान* शुरू किया गया है। यह अभियान प्रदेशवासियों का अपना अभियान है एवं इसमें सभी की सहभागिता बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आज गंगा दशमी के दिन अपने आसपास के जल स्रोतों, नदियों, जल धाराओं और तालाबों की पूजा-अर्चना करें तथा इनके संरक्षण में बढ़-चढ़कर योगदान दें। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में सामाजिक सरोकार के अनेक काम हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान को जन-जन का अभियान बनाया। साथ ही, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बालिका लिंगानुपात में सुधार तथा बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित किया गया। श्री मोदी ने देशभर में *एक पेड़ मां के नाम* अभियान चलाया जिससे आमजन में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता आई। इस अभियान से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार द्वारा पिछले वर्ष मानसून सीजन में 7 करोड़ से अधिक पौधे लगाए हैं। आगामी वर्षा काल में हम 10 करोड़ पौधे लगाने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की विषम भौगोलिक परिस्थितियों एवं पानी की आवश्यकता को समझते हुए हमारी सरकार ने डेढ़ साल में जलापूर्ति के लिए लगातार निर्णय लिए हैं। ईआरसीपी, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, देवास परियोजना, माही बांध, सोम-कमला-अंबा सहित विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से राज्य में जल संचयन तथा पानी की उपलब्धता को बढ़ावा दिया जा रहा है। हम पानी के क्षेत्र में राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं। शर्मा ने कहा कि राजस्थान में सतही जल कम होने के कारण भूजल पर दबाव बढ़ता जा रहा है। ऐसे में परंपरागत जल स्रोतों को साफ-सुथरा रखकर और नए जल स्रोतों का निर्माण कर हम पानी की लगातार बढ़ती जरूरत को पूरा कर सकते हैं। इसी क्रम में हमने इस साल जनवरी में *कर्मभूमि से मातृभूमि* अभियान शुरू किया। प्रवासी राजस्थानी के माध्यम से प्रदेश में प्रत्येक जिले में जल संरक्षण संरचनाएं बनाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान वर्षा जल की एक-एक बूंद को सहेजकर जल उपलब्धता बढ़ाएगा तथा भूजल स्तर को बढ़ाने में भी मददगार बनेगा। इस अवसर पर जमवारामगढ़ के विधायक महेन्द्र पाल मीणा ने गंगा नदी के जल का कलश मुख्यमंत्री को भेंट किया। कार्यक्रम में पत्रिका समूह द्वारा मुख्यमंत्री का स्वागत-अभिनंदन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत रामगढ़ बांध पर श्रमदान किया। इससे पहले उन्होंने गंगा दशहरा के अवसर पर जलेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक-पूजा अर्चना भी की। इस अवसर पर महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर लोकगीत गाते हुए मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, सांसद राव राजेन्द्र सिंह, डॉ. मंजू शर्मा, विधायक बालमुकुंदाचार्य, कुलदीप धनखड़, कैलाश वर्मा, मनीष यादव, अमीन कागजी, जिला प्रमुख रमा चोपड़ा, पत्रिका समूह प्रधान संपादक गुलाब कोठारी सहित जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ अधिकारीगण, बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमी एवं आमजन उपस्थित रहे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत केंद्रीय मंत्री ने किया किसानों से संवाद

चंडीगढ़ (हिंस)। *विकसित कृषि संकल्प अभियान* के आठवें दिन केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को पंजाब के किसानों से संवाद किया। इस अवसर पर पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां भी उपस्थित थे। *विकसित कृषि संकल्प अभियान* के तहत केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान गुरुवार को पटियाला में आयोजित एककार्यक्रम में शामिल हुए और किसानों से संवाद किया। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा किकिसानों तक विज्ञान व शोध की जानकारी पहुंचाने और *लैब टू लैंड* को जोड़ने के लिए ही *विकसित कृषि संकल्प अभियान* की शुरुआत की गई है। इस अभियान के तहत वैज्ञानिक जिस भी गांव का दौरा करते हैं, वहां के क्षेत्र की पूर्व जानकारी लेकर जाते हैं और उसी के अनुसार किसानों से वार्ता कर उनकी समस्याओं को सुनते हैं। कृषि मंत्री ने कहा कि इस इस वार्ता के दौरान मिट्टी के पोषक तत्वों, जलवायु को ध्यान में रखते हुए कौन सी किस्म के जरिए पैदावार को बढ़ाया जा सकता है, वायरस अटैक और कीटनाशकों की जानकारी दी जाती है। इस अभियान के जरिए खेत की जरूरत के अनुसार ही शोध की दिशा तय करने का काम किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि आज मैंने ट्रैक्टर चलाकर किसानों की व्यावहारिक समस्या को समझने की कोशिश की। इस अभियान के बाद हर क्षेत्र से जो जानकारियां एकत्र होंगी, उसी के आधार पर आगे की कृषि नीतियां बनाई जाएंगी। चौहान ने कहा कि यह वो धरती है, जिसने कई वर्षों तक पूरे हिंदुस्तान के अन्न के भंडार भरने का काम किया है। एक समय था जब हम अमेरिका का खराब गुणवत्ता वाला गेहूं पीएल 480 खाने पर मजबूर थे। यह हरित क्रांति ही है, जिसने हमें मुक्ति दिलाई। पंजाब के किसानों, उनके जुनून और जज्बे को मैं प्रणाम करता हूं। पंजाब के किसानों को उनके अमूल्य प्रयासों के लिए बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं। चौहान ने कहा कि धान की पुरानी रोपाई की पारंपरिक पद्धति में पानी के साथ-साथ श्रम और लागत भी बहुत ज्यादा लगती थी, लेकिन अब नई आधुनिक तकनीक के जरिए सीधे बीज के माध्यम से बुआई की पद्धति विकासित हो चुकी है। चौहान ने कहा कि हमें कीटनाशकों का संतुलित उपयोग भी करना होगा। अनावश्यक अत्यधिक कीटनाशकों के प्रयोग से कृषि की लागत बढ़ती है और फसल की गुणवत्ता पर भी विपरीत असर पड़ता है। पंजाब की धरती पर हर किस्म की खेती की जा सकती है। बागवानी के लिए भी व्यापक संभावनाएं हैं। निर्यात गुणवत्ता वाले फल और सब्जियों के उत्पादन के लिए भी प्रयास करने होंगे।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने किया पौधारोपण व इनोवेटिव स्टार्टअप का समर्थन

ब्यावर (हिंस)। विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के पावन अवसर पर अजमेर संभाग में *वंदे गंगा जल संरक्षण जन-अभियान* का शुभारंभ उपमुख्यमंत्री एवं ब्यावर प्रभारी मंत्री दीया कुमारी के नेतृत्व में ब्यावर जिला कलेक्ट्रेट से हुआ। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने इस अवसर पर कहा कि राजस्थान में जल संरक्षण कोई विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता है। जलवायु परिवर्तन और घटते भूजल स्तर के संकट से निपटने के लिए हमें जन सहयोग से बड़ा अभियान चलाना होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा जल संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने की पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि यह अभियान पांच से 20 जून तक राज्यभर में चलेगा। इस कार्यक्रम में ब्यावर निवासी कार्तिकेय देवड़ा द्वारा बनाए गए प्लास्टिक के विकल्प के रूप में पर्यावरण अनुकूल थैलों का विशेष प्रदर्शन हुआ। उपमुख्यमंत्री ने इस स्टार्टअप को *पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ी पहल* बताते हुए इसे राज्य सरकार का समर्थन देने की बात कही। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने पौधारोपण कर हरित संदेश दिया तथा सभी नागरिकों से अधिकाधिक वृक्षारोपण व जल बचत का संकल्प लेने की अपील की। कार्यक्रम में राजसमंद सांसद महिमा कुमारी सिंह, ब्यावर विधायक शंकर सिंह रावत, मसूदा विधायक वीरेंद्र सिंह कानावत तथा प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ब्यावर से मेरा पुराना नाता है। मैं यहां सांसद रही हूं। यहां की ऊर्जा और नवाचार देखकर गर्व होता है। *वंदे गंगा* अभियान पूरे राजस्थान में हरित चेतना और जल संरक्षण की नई क्रांति लाएगा। पानी बचाओ : भविष्य बचाओ। क्योंकि हर बूंद की कीमत है : हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

किसान अपनी समस्याएं व अनुभव को वैज्ञानिकों के साथ करें सांझा : तिवारी

कैथल (हिंस)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के अधीनस्थ स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र, कैथल द्वारा गुरुवार को विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत गांव रसीना में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में करनाल के भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. रतन तिवारी ने शिरकत की। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसान अपनी समस्याएं तथा अनुभवों को वैज्ञानिकों के साथ सांझा करें, ताकि वैज्ञानिक इस आधार पर भविष्य में अपने शोध की रणनीति तैयार कर सकें। उन्होंने किसानों को बताया कि समय की मांग है किसान फसल विविधीकरण, उन्नत बीजों का चुनाव तथा आमदनी बढ़ाने के तरीके अपनाकर अपनी आप को विकसित करें।

ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी पर अमृतसर में अलर्ट, दल खालसा ने किया बंद का आह्वान

नगर में चार हजार पुलिस कर्मियों ने संभाला मोर्चा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में ऑपरेशन ब्लू स्टार की 6 जून को बरसी के मद्देनजर पुलिस ने अलर्ट है। दल खालसा की तरफ से 6 जून को अमृतसर बंद का आहवान किया गया है। प्रशासन ने इसी दिन की गुरुनानक देव यूनिवर्सिटी की सभी परीक्षाएं निरस्त कर दी हैं। इस दिन दरबार साहिब में जहां अखंड पाठ साहिब का भोग डाला जाएगा। वहीं अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार कौम के नाम संदेश जारी करेंगे। पंजाब में ऑपरेशन ब्लू स्टार की 6 जून को बरसी के मद्देनजर पुलिस व प्रसाशन अलर्ट मोड पर है। जिले में संवेदनशील जगहों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। किसी प्रकार की अप्रिय घटना की आशंका के चलते पुलिस लगातार फ्लैग मार्च कर रही है। पुलिस ने दरबार साहिब के आसपास के एरिया में फ्लैग मार्च किया। इसी बीच दल खालसा ने 6 जून को अमृतसर बंद का आहवान किया गया है। दल खालसा ने गुरुवार की शाम ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी की पूर्व संध्या पर घल्लूघारा मार्च निकालने का ऐलान किया है, जो शहर के विभिन्न बाजारों से गुजरता हुआ श्री अकाल तख्त पर समाप्त होगा। जिसके चलते सुरक्षा एजेंसियां भी सतर्क हो गई और शिक्षण संस्थानों ने भी इसे लेकर सावधानी के तौर पर कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। अमृतसर जिला प्रशासन ने गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी ने अपने सभी कॉलेजों में 6 जून को होने वाली परीक्षाओं को स्थगित कर दिया है। ये सभी थ्योरी परीक्षाएं अब 20 जून को पहले निर्धारित समय के अनुसार परीक्षा केन्द्रों पर होंगी। इस संबंधित सारी जानकारी यूनिवर्सिटी वेबसाइट पर उपलब्ध होगी। अमृतसर के पुलिस आयुक्त जीएस भुल्लर के अनुसार स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। पुलिस लगातार फ्लैग मार्च कर रही है। दरबार साहिब परिसर की मर्यादा को ध्यान में रखकर पुलिस के जवानों को तैनात किया गया है। नगर में स्थिति को देखते हुए करीब 4 हजार पुलिसकर्मी तैनात किए जा रहे हैं। जिनमें पंजाब आर्म्ड पुलिस के जवान भी शामिल होंगे। अमृतसर में 62 स्थानों पर नाके स्थापित किए गए हैं। जिनमें 14 नाके गोल्डन टेंपल के आसपास और रास्तों में होंगे। 20 नाके शहर के भीतर, 10 नाके शहर के बाहरी इलाकों में और 10 नाके शहर में आने-जाने वाले मुख्य मार्गों पर होंगे। 52 नाकों पर पुलिस 24 घंटे तैनात रहेगी। गुरुवार को दरबार साहिब परिसर में काफी चहल-पहल रही ऑपरेशन ब्लू स्टार के दौरान हुए नुकसान को संगत को दिखाने के लिए यहां अस्थाई गैलरी में रखा गया है। दरबार साहिब में छह जून को अखंड पाठ के भोग के बाद जरनैल सिंह भिंडरावाल व अन्यों के परिवारों को सम्मानित किए जाने की परंपरा है। इस बार कार्यवाहक जत्थेदार से सम्मान लिए जाने को लेकर विवाद गहराया हुआ है। भिंडरावाला के बेटे पहले ही यह सम्मान लेने से इनकार कर चुके हैं।

विंग कमांडर देबार्थो धर ने प्रयागराज में रक्षा जनसंपर्क अधिकारी का कार्यभार संभाला

प्रयागराज (हिंस)। विंग कमांडर देबार्थो धर ने प्रयागराज में रक्षा जनसंपर्क अधिकारी (मध्य भारत) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला और वायुसेना अकादमी, डुंडीगल के पूर्व छात्र विंग कमांडर देबार्थो धर नागपुर के निवासी हैं। गुरुवार को उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि नागपुर के मॉडर्न स्कूल से उन्होंने स्कूली शिक्षा प्राप्त की है। उनके पास जेएनयू से विज्ञान स्नातक की डिग्री, राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर तथा एविएशन मैनेजमेंट में एमबीए की डिग्री ली है। वर्ष 2009 में भारतीय वायुसेना की फ्लाइंग ब्रांच में कमीशन प्राप्त करने के बाद, विंग कमांडर धर ने एक अनुभवी हेलिकॉप्टर पायलट के रूप में कार्य किया। उन्होंने कश्मीर घाटी, सियाचिन ग्लेशियर और पूर्वी लद्दाख में कई चुनौतीपूर्ण उड़ान संचालन किए हैं। वे अनेक महत्वपूर्ण अभियानों का हिस्सा भी रहे हैं, जिनमें रोगी निकासी और आपदा राहत अभियान शामिल है। उन्होंने नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान एक डिटैचमेंट कमांडर के रूप में भी सेवा दी है और विभिन्न तेल रिगों से अपतटीय उड़ानों का भी व्यापक अनुभव रखते हैं। विंग कमांडर देबार्थो धर अपने नए पद पर प्रचुर संचालन अनुभव और शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ योगदान दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने किया एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस-2025 के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास पर बेल का पौधा लगाकर *एक पेड़ मां के नाम अभियान* का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान आज से लगातार 30 जून तक चलेगा। डा.श्यामा प्रसाद मुखर्जी 01 जुलाई से 07 जुलाई तक वन महोत्सव के बड़े कार्यक्रम होंगे। प्रदेश में 35 करोड़ से अधिक पौध रोपण का लक्ष्य रखा है। यह क्रम 15 अगस्त तक चलेगा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि *एक पेड़ मां के नाम* अभियान हमें पर्यावरण के प्रति व अरण्य संस्कृति के प्रति जागरूकत करती है। पर्यावरण की कठिन चुनौतियों से दुनिया जूझ रही है। समाधान का मार्ग मनुष्य को ही निकालना होगा।

हमें प्रकृति के साथ समन्वय व संवाद बनाना पड़ेगा। इस दौरान वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, वन राज्यमंत्री केपी मलिक, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव (वन/पर्यावरण) अनिल कुमार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। अयोध्या दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री ने अयोध्या धाम स्थित *पुष्प वाटिका* में पवित्र त्रिवेणी पीपल, बरगद तथा नीम के पौधों का रोपण किया। यहां पर मुख्यमंत्री ने जनता से एक पेड़ मां के नाम लगाने का आह्वान किया। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आम जनता का आह्वान किया कि प्रत्येक व्यक्ति एक पेड़ मां के नाम से लगाए, यह आपकी तरफ से अपनी मां के लिए एक अनमोल उपहार होगा। उन्होंने कहा कि अपनी मां के नाम से पेड़ लगाने से उस पेड़ के प्रति भावनात्मक लगाव होगा और उसकी सुरक्षा के भी भाव हमेशा आपके मन में रहेंगे। उन्होंने कहा कि पौधों को रोपने से कहीं ज्यादा जरूरी है, उन्हें बचाना। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि पौधों की सुरक्षा व देखभाल अपने नौनिहालों की भांति करें। उप मुख्यमंत्री मोहनलालगंज की ग्राम पंचायत डेवरिया भरोसवा के मजरा भरोसवा में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने यहां पर हरिशंकरी (बरगद, पाकड़ व पीपल) के पौधे का रोपण किया। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रदेश भाजपा मुख्यालय में वृक्षारोपण करके एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ किया। भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने बताया कि गुरुवार को सभी जिला मुख्यालयों पर वृक्षारोपण करते हुए जिला स्तर पर अभियान प्रारंभ होगा। 23 जून डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस से 05 अगस्त तक बूथ स्तर पर वृक्षारोपण के कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। इसके साथ ही 05 जून से 05 अगस्त तक प्रत्येक अभियान व कार्यक्रम के बाद वृक्षारोपण किया जाएगा।

सारस और अन्य घायल वन्य जीवों के लिए मोबाइल वेटनरी यूनिट की स्वीकृति

लखनऊ (हिंस)। वन एवं वन्य जीव विभाग ने उत्तर प्रदेश के राजकीय पक्षी सारस और अन्य घायल वन्य जीवों के संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जिसके तहत गोरखपुर और लखनऊ मंडल में मोबाइल वेटनरी यूनिट (एमवीयू) की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस पहल से दोनों मंडलों के पक्षी विहार और वन प्रभागों में घायल होने वाले पक्षियों और वन्य जीवों को त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। जल्द ही कानपुर और मेरठ मंडल के वन प्रभागों में भी ऐसी ही यूनिट्स की सुविधा प्रदान करने की भी उत्तर प्रदेश सारस संरक्षण समिति की ओर से मांग की है। वन एवं वन्य जीव विभाग प्रदेश के सभी मंडलों में घायल पशुओं के त्वरित इलाज के लिए एमवीयू की सुविधा उपलब्ध करवाने पर विचार कर रहा है। लखनऊ और गोरखपुर के वन प्रभागों के लिए एमवीयू की स्वीकृति यूपी के राजकीय पक्षी सारस या क्रेन एवं अन्य घायल वन्य जीवों को त्वरित इलाज और समय रहते पशु चिकित्सालय तक पहुंचाने के लिए मोबाइल वेटनरी यूनिट (एमवीयू) की सुविधा प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश के वन एवं वन्य जीव विभाग ने गोरखपुर और लखनऊ

मंडल में स्थित वन प्रभागों के लिए एमवीयू को स्वीकृति प्रदान की है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) अनुराधा वेमुरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सारस संरक्षण समिति की ओर से लंबे समय से मोबाइल वेटनरी यूनिट की मांग की जा रही थी। इस मांग को ध्यान में रखते हुए विभाग ने गोरखपुर और लखनऊ मंडल में एमवीयू की सुविधा प्रदान की है। बातचीत में उन्होंने बताया कि सारस संरक्षण समिति की ओर से कानपुर और मेरठ मंडल के लिए भी एमवीयू सुविधा की मांग की गई थी लेकिन सीमित संसाधनों के कारण अभी ये सुविधा प्रदान नहीं की जा सकी है। जल्द ही कानपुर और मेरठ मंडल के साथ प्रदेश के अन्य मंडलों के लिए भी ये सुविधा शुरू करने का प्रयास है। वन एवं वन्य जीव विभाग के संबंधित अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश सारस संरक्षण समिति की मांग पर विभाग ने अभी दो मंडलों में एमयूवी की सुविधा प्रदान की है। जिसके तहत टाटा विंगर गाड़ियों को मोबाइल वेटनरी यूनिट के रूप में विकसित किया है। इन गाड़ियों में आधुनिक चिकित्सा उपकरण और दवाइयां उपलब्ध होंगी, जिससे घायल जीवों को तत्काल प्राथमिक उपचार देने के बाद उन्हें नजदीकी पशु चिकित्सालय तक पहुंचाया जा सकेगा। ये एमयूवी न केवल घायल सारस पक्षियों, बल्कि छोटे वन्य जीवों को भी समय पर प्राथमिक उपचार प्रदान करने में सक्षम हैं। सारस, यूपी का राजकीय पक्षी है प्रदेश के लगभग 59 जिलों में सारस पक्षी पाए जाते हैं। प्राकृतिक आपदाओं, शिकार और अन्य मानवीय गतिविधियों के कारण इन पक्षियों को चोट लगने या बीमार होने का खतरा बना रहता है। ऐसी स्थिति में मोबाइल वेटनरी यूनिट्स समय पर उपचार प्रदान करके इनका संरक्षण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

गंगा दशहरा को लेकर गंगा स्नान के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

भागलपुर (हिंस)। गंगा दशहरा के मौके पर गुरुवार को जिले के सुल्तानगंज अजगैबीनाथ गंगा तट श्रद्धालुओ से गुलजार हो उठा। अहले सुबह से ही बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने सुलतानगंज के पवित्र उत्तरवाहिनी गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। गंगा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने आम, केला, लीची, नारियल, फूल, बेलपत्र, मिठाई, अक्षत, चंदन, धूप, दीप और नैवेद्य से मां गंगा की पूजा अर्चना कर गंगा तट पर पंडित पुरोहितों व गरीब जरूरतमंद लोगों के बीच अन्न वस्त्र और द्रव्य दान कर अपने परिवार की खुशहाली के लिए मन्नतें मांगी। मान्यता है की गंगा दशहरा के मौके पर गंगा स्नान करने से देवता खुश होते हैं और लोगों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। गंगा दशहरा हर साल ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष दशमी तिथि को मनाया जाता है। सनातन धर्म की

मान्यता के अनुसार इसी दिन भागीरथी अपने पूर्वजों के उद्धार के लिए मां गंगा को धरती पर लेकर आए थे। तभी से गंगा दशहरा के मौके पर गंगा की पूजा अर्चना और आस्था की डुबकी लगाने की परंपरा चली आ रही है। सुल्तानगंज में अजगैबीनाथ गंगा घाट और नमामि गंगे घाट पर श्रद्धालुओं के सुरक्षा को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से एसडीआरएफ जवान की तैनाती की गई है और इनके द्वारा गंगा नदी में लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। हालांकि नगर परिषद की ओर से इस वर्ष गंगा में बांस ब्रैकेटिंग या कोई सांकेतिक बोर्ड नहीं लगाई गई है। जिसके कारण श्रद्धालु जान जोखिम में डालकर गंगा स्नान करने को मजबूर हैं। स्थानीय पंडित संजीव झा ने बताया कि गंगा दशहरा के दिन गंगा स्नान करने से मानसिक शांति मिलने के साथ-साथ जीवन के कष्ट दूर होते हैं। इसलिए श्रद्धालु अपने परिवार की खुशहाली के लिए गंगा स्नान कर मां गंगा की पूजा अर्चना करते है। आज के दिन ही मां गंगा धरती पर आई थी जिसके बाद गंगा क्षेत्र की धरती उपजाऊ हुई और क्षेत्र में हरियाली आई जिससे जनजीवन आगे बढ़ा।

आरबीआई का नया आदेश: एटीएम में अब छोटे नोट होंगे उपलब्ध, 500 रुपए के नोट भी जारी रहेंगे

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एटीएम से पैसे निकालने को और अधिक सरल बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। अब बैंकों और व्हाइट लेबल एटीएम ऑपरेटरों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके एटीएम में कम से कम एक कैसेट में 100 या 200 के नोट नियमित रूप से उपलब्ध हों। यह कदम आम जनता के लिए खासा राहत भरा साबित होगा क्योंकि इससे छोटे नोटों में पैसे निकालना आसान हो जाएगा और रोजमर्रा के लेन-देन में सुविधा बढ़ेगी।

आरबीआई के मासिक बुलेटिन के मुताबिक मार्च 2025 तक देश में करीब 2.20 लाख बैंक एटीएम और 36 हजार व्हाइट लेबल एटीएम कार्यरत हैं। इन सभी एटीएम में चार कैसेट होती हैं, जिनमें से कम से कम एक कैसेट में 100 या 200 के नोट रखने का निर्देश अब अनिवार्य कर दिया गया है। रिजर्व बैंक ने 30 सितंबर 2025 तक यह लक्ष्य रखा है कि 75 फीसदी एटीएम में यह व्यवस्था लागू हो जाए। इसके बाद 31 मार्च 2026 तक 90 फीसदी एटीएम को कम से कम एक कैसेट में 100 या 200 के नोट उपलब्ध कराना होगा।

जीनस पावर को मिला 30000 करोड़ का ऑर्डर

नई दिल्ली। जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने पिछले पांच वर्षों में अपने शेयर मूल्य में लगभग 2700 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है, जो 15 रुपए से बढ़कर 419 रुपए तक पहुंच गया है। इस अद्वितीय वृद्धि ने निवेशकों को 1 लाख के निवेश से 28 लाख रुपए का लाभ दिलाया है। कंपनी के पास 31,302 करोड़ का ऑर्डर बुक है, जो उसके मौजूदा मार्केट कैप से दोगुना है। इसमें स्मार्ट मीटरिंग प्रोजेक्ट्स शामिल हैं, जो भारत सरकार की रिफॉर्म-आधारित पावर डिस्ट्रीब्यूशन स्कीम के तहत हैं। कंपनी ने हाल ही में 3,121.42 करोड़ का स्मार्ट मीटरिंग ऑर्डर भी जीता है।

न्यूज़ ब्रीफ

वित्त मंत्री देश की आर्थिक स्थिति पर चर्चा करेंगीं

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश की आर्थिक स्थिति की समीक्षा करने वाली हैं। इस उच्च स्तरीय पैनल की 29वीं बैठक 10 जून को वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) में होगी, जिसमें वित्त क्षेत्र के नियामक और भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शामिल होंगे। वित्त वर्ष 2025 में भारत की 6.5 प्रतिशत की विकास दर की समीक्षा की जाएगी, जिसे पिछले चार सालों में सबसे धीमी दर घोषित किया गया है। इस बैठक में भारतीय अर्थव्यवस्था की जल्दी बढ़ी गति और चुनौतियों का मुकाबला भी महत्वपूर्ण चर्चा के लिए होगा। एफएसडीसी की बैठक में डिजिटल धोखाधड़ी, वित्तीय स्थिरता, और विकास के नए मार्गों पर भी चर्चा की जाएगी। इस समीक्षा से देश की अर्थव्यवस्था को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

पिछले पांच वर्ष में 84 प्रतिशत बढ़ी स्टेनलेस स्टील की खपत, वित्त वर्ष 2020-21 में भारत में स्टेनलेस स्टील की खपत 26.1 लाख टन थी

मुंबई। पिछले पांच वर्ष में घरेलू स्टेनलेस स्टील की खपत 84 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 48 लाख टन तक पहुंच गई। उद्योग संगठन भारतीय स्टेनलेस स्टील विकास संघ (आईएसएसडीए) के अनुसार वित्त वर्ष 2020-21 में भारत में स्टेनलेस स्टील की खपत 26.1 लाख टन थी। वित्त वर्ष 2021-22 में यह बढ़कर 34.6 लाख टन हो गई। आईएसएसडीए के एक अधिकारी ने ग्लोबल स्टेनलेस-स्टील एक्सपो 2025 (जीएसएसई 2025) में कहा कि यह मांग बुनियादी ढांचे, रेलवे, हवाईअड्डे, मेट्रो आदि क्षेत्रों से प्रेरित है। आंकड़ों के अनुसार 2022-23 में मांग सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 39.4 लाख टन हो गई थी। 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष में 48 लाख टन तक पहुंचने से पहले 2023-24 में 44.9 लाख टन थी। उन्होंने कहा कि मांग मुख्य तौर पर भवन एवं निर्माण, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, रेलवे व परिवहन आदि क्षेत्रों से खपत में मजबूत वृद्धि से प्रेरित रही। भारतीय स्टेनलेस स्टील विकास संघ (आईएसएसडीए) के अनुसार देश में स्टेनलेस स्टील की मांग के अगले दो से तीन वर्ष में सालाना आधार पर सात से आठ प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

ब्रिटानिया के लिए बिस्कुट बनाने वाली कंपनी होगी बंद

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में मुंबई उच्च न्यायालय का फैसला खारिज कर ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीआईएल) के लिए तीन दशक से अधिक समय तक बिस्कुट बनाने वाली कंपनी को बंद करने की मंजूरी प्रदान कर दी। उच्च न्यायालय के 17 फरवरी, 2023 के आदेश के खिलाफ दायर हरिनगर शुगर मिल्स लिमिटेड (एचएसएमएल) की अपील पर यह फैसला सुनाया गया। एचएसएमएल ने पहले अपने कर्मचारियों को सद्भावना 10 करोड़ रुपये देने की पेशकश की थी। लेकिन अदालत ने इस राशि को बढ़ाकर 15 करोड़ रुपये कर दिया और आठ सप्ताह के भीतर इसका भुगतान करने को भी कहा। अदालत ने कहा, यह देखते हुए कि इस कंपनी के बंद होने से कुछ कर्मचारियों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ सकता है और कुछ अन्य बिना किसी गलती के बेरोजगार हो सकते हैं, हम एचएसएमएल के इस कदम की सराहना करते हैं। इस तरह के बयान को रिकॉर्ड में दर्ज किया जाता है।' एचएसएमएल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता ने सद्भावना राशि बढ़ाने पर निर्णय लेने का काम अदालत पर छोड़ दिया था।

पीयूष गोयल ने मिलान में इतालवी व्यापार जगत के नेताओं से मुलाकात की

नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को इटली के उप-प्रधानमंत्री के साथ सह-अध्यक्षता बैठक से पहले कई इतालवी सीईओ से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने इस बात पर चर्चा की कि वे निरंतर विकास के लिए भारत के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र का किस तरह से सर्वोत्तम लाभ उठा सकते हैं। गोयल फ्रांस में भारत-फ्रांस आर्थिक सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित अपनी गतिविधियों को पूरा करने के बाद इटली के अपने दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने गुरुवार को 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, इटली के उप-प्रधानमंत्री के साथ सह-अध्यक्षता बैठक से पहले मिलान में इतालवी व्यापार जगत के कई नेताओं से मुलाकात की। पीयूष गोयल ने पोस्ट किया, इंजीनियरिंग और विनिर्माण तकनीक कंपनी पोग्गीपोलिनी एस.पी.ए. के सीईओ मिशेल पोग्गीपोलिनी से मुलाकात की। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में देश की बढ़ती भूमिका को देखते हुए, भारत में कंपनी के लिए प्रौद्योगिकी, नवाचार और विनिर्माण अवसरों पर उत्पादक चर्चाओं में शामिल हुए। उन्होंने एसओएल ग्रुप के महानिदेशक डेनियल फोर्नी से भी मुलाकात की, जो तकनीकी और चिकित्सा गैसों के उत्पादन, अनुप्रयुक्त अनुसंधान और विपणन के क्षेत्र में एक इतालवी बहुराष्ट्रीय कंपनी है और इस बात पर चर्चा की कि समूह भारत में प्रमुख क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति का और विस्तार कैसे कर सकता है। गोयल ने इतालवी लाइटिंग दिग्गज आईमून की सीईओ सुश्री लॉरा टारक्विनियो और उनकी टीम से मुलाकात की। उन्होंने लिखा है कि हमने स्मार्ट लाइटिंग समाधानों के लिए भारत में उपलब्ध निवेश के अपार अवसरों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

इसके अलावा वाणिज्य मंत्री ने वाणिज्यिक प्रशीतन विशेषज्ञ इप्टा समूह के सीईओ मार्को नोसिवेली से भी मुलाकात की। गोयल के अनुसार, भारत के तेजी से बढ़ते खुदरा और कोल्ड चेन क्षेत्रों के साथ हमने चर्चा की कि कंपनी किस तरह अवसर का लाभ उठा सकती है और भारत में स्थायी प्रशीतन समाधानों में योगदान दे सकती है। गोयल ने आगे लिखा, एक्सल और ट्रांसमिशन सिस्टम के वैश्विक निर्माता कैरारो ग्रुप के वाइस चेयरमैन टॉमसो कैरारो से मिलकर अच्छा लगा, जिसकी भारत में मजबूत उपस्थिति है।

इटली के दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर आए केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने लिखा है, उप-प्रधानमंत्री एवं विदेश मामलों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्री महामहिम एंटोनियो तजानी द्वारा आयोजित एक शानदार रात्रिभोज में शामिल होकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। एक प्रतिष्ठित सभा को संबोधित करने और भारत-इटली के बीच आर्थिक संबंधों को गहरा करने पर सार्थक चर्चा करने का सौभाग्य मिला। ब्रेशिया में पिनाकोटेका टोसियो मार्टिनेंगो संग्रहालय ने वास्तव में समग्र अनुभव को समृद्ध किया। उत्कृष्ट कला से घिरा, माहौल खूबसूरती से सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाता है जिसे हमारे दोनों देश गहराई से महत्व देते हैं। हमारी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने की उम्मीद है।

अब 10 हेक्टेयर में भी बन सकेगी सेमीकंडक्टर यूनिट

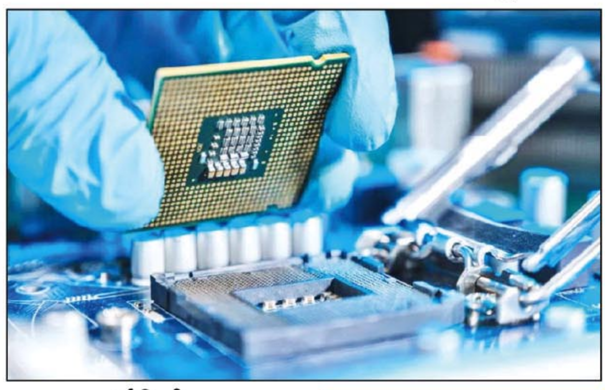

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स पुर्जों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) में स्थापित की जाने वाली इकाइयों के लिए नियमों में सुधार किया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक गजट अधिसूचना में ऐसी एसईजेड इकाइयों की स्थापना के लिए न्यूनतम भूमि की आवश्यकता को 50 हेक्टेयर से घटाकर 10 हेक्टेयर कर दिया है। व्यापक बदलावों में सेमीकंडक्टर, डिस्प्ले मॉड्यूल, प्रिंटेड सर्किट बोर्ड और अन्य उत्पादों के विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा। नये निर्देशों के अनुसार इस क्षेत्र में निवेश करने वाली इकाइयों के लिए और भारी निवेश करने की सुविधा प्रदान की गई है। सेमीकंडक्टर मिशन में एक चरण के सफल समापन के बाद सरकार अब अगले चरण की योजना कर रही है। इसका उद्देश्य भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन के क्षेत्र में एक वैश्विक केंद्र

विभिन्न छूट और नए मानदंडों के माध्यम से उत्पादन को प्रोत्साहित करने का लक्ष्य

बनाना है। इस नये दिशानिर्देश के तहत सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में उत्पादन करने वाली इकाइयों को सरकारी मदद और समर्थन का अधिक मौका मिलेगा।

एसईजेड इकाइयों के लिए 5 साल में शुद्ध विदेशी मुद्रा अर्जित करना आवश्यक है। यह एसईजेड अधिनियम के तहत तमाम लाभों का फायदा उठाने की शर्तों में शामिल है। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 2021 में इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) को शुरू किया गया था।

उसका उद्देश्य देश में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले उत्पादन के लिए एक दमदार परिवेश का निर्माण करना है ताकि भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण एवं डिजाइन के एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सके। सरकार अब सेमीकंडक्टर मिशन के अगले चरण को शुरू करने की तैयारी कर रही है।

इंडिजीन से बाहर निकला कार्लाइल ग्रुप

वैश्विक निवेश कंपनी कार्लाइल समूह को खुले बाजार लेनदेन के जरिये डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी इंडिजीन में अपनी 10.20 प्रतिशत हिस्सेदारी 1,447 करोड़ रुपये में बेचकर कंपनी से बाहर निकल गया। एनएसई के पास उपलब्ध थोक सौदे के आंकड़ों के अनुसार, मेरिका के कार्लाइल समूह ने अपनी इकाई सीए डॉन इन्वेस्टमेंट्स के जरिये 2.44 करोड़ से अधिक शेयर बेचे। यह इंडिजीन में 10.20 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है।कंपनी ने ये शेयर 591.02-591.84 रुपये प्रति इक्विटी के मूल्य दायरे में बेचा। 10.20 प्रतिशत हिस्सेदारी 1,447 इससे सौदा मूल्य 1,447.17 करोड़ रुपये बैठता है। इस बीच प्रेमजी इन्वेस्ट से जुड़ी पीआई ऑपर्च्युनिटीज एआईएफ वी, कैपिटल ग्रुप, सोसायटी जनरल, लक्जमबर्ग स्थित ईस्टब्रिज ग्रुप और एबाकस एसेट मैनेजर ने कुल मिलाकर इंडिजीन में 627 करोड़ रुपये में 1.06 करोड़ शेयर यानी 4.42 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। शेयर 591-591.48 रुपये प्रति शेयर के मूल्य दायरे में खरीदा गया, जिससे कुल सौदे का मूल्य 626.85 करोड़ रुपये रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में इंडिजीन के शेयरों के अन्य खरीदारों की जानकारी फिलहाल नहीं मिल पायी है।इंडिजीन का शेयर एनएसई में 4.07 प्रतिशत टूटकर 594.50 रुपये पर बंद हुआ।

अदाणी समूह ने 75,000 करोड़ कर का भुगतान किया, पिछले वर्ष से 29 प्रतिशत अधिक

नई दिल्ली

अदाणी समूह के एकाधिक कंपनियों ने वित्त वर्ष 2024-25 में क्षेत्रिय कर का भुगतान करने के लिए कुल 75,000 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। इस राशि में कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा के लिए भी धन अलग किया गया है। एक बयान में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025 के लिए अदाणी समूह का कुल योगदान 29 प्रतिशत बढ़कर 74,945 करोड़ रुपये हो गया है, जो पिछले वित्त वर्ष के 58,104 करोड़ रुपये से अधिक है। सूचीबद्ध कंपनियों में अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, अदाणी सीमेंट लिमिटेड, अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड और अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड शामिल है।

उनकी संतुलित योगदान ने समूह को एक उच्च स्तर पर ले जाने में मदद की है। समूह ने अपनी सात सूचीबद्ध कंपनियों के माध्यम से सार्वजनिक रिपोर्ट के आंकड़ों को साझा किया है जो उनके सामर्थ्य और सामाजिक योगदान को प्रकट करते हैं। बयान में कहा गया कि समूह की सात सूचीबद्ध कंपनियों अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड, अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड, अदाणी पावर लिमिटेड, अदाणी टोटल गैस लिमिटेड और अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड द्वारा प्रकाशित स्वतंत्र वार्षिक रिपोर्ट के आंकड़े इसमें शामिल हैं। इस भारी कर भुगतान से स्पष्ट होता है कि अदाणी समूह अपने सामाजिक दायित्वों का पूरा निर्वहन कर रहा है और वित्तीय स्थिति में मजबूती दिखा रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशियाई बाजारों में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का माहौल बना रहा। हालांकि आखिरी वक्त में हुई बिकवाली के कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक ऊपरी स्तर से फिसल गए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 5,970.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,460.49 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.02 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 42,436.05 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.16 प्रतिशत उछल कर 8,801.29 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,804.67 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 184.86 अंक यानी 0.76 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,276.48 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में खरीदारी का माहौल बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 8 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजारों में से इकलौता निक्केई इंडेक्स 161.73 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 37,585.72 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.34 प्रतिशत उछल कर 24,799 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 21,673.91 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 1.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,802.34 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.82 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,127.12 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.69 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,139.80 के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 127.01 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,781.04 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.08 प्रतिशत मजबूत होकर 3,378.82 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,905.65 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

प्राइम वॉलीबॉल लीग को मिला नया सदस्य, गोवा गार्जियंस बना 10वां फ्रेंचाइज़ी

मुंबई

भारत की सबसे तेज़ी से बढ़ती खेल लीगों में शामिल प्राइम वॉलीबॉल लीग ने अपने विस्तार की घोषणा करते हुए गोवा गार्जियंस को 10वीं फ्रेंचाइज़ी के रूप में शामिल किया है। गोवा पर आधारित यह टीम लीग के चौथे सीज़न में पहली बार मैदान में उतरेगी, जिसकी शुरुआत 2 अक्टूबर 2025 से होगी।

लीग का चौथा सीज़न 2 अक्टूबर से होगा शुरू, 8 जून को केलिकट में होगा प्लेयर ऑक्शन

गोवा गार्जियंस टीम का मालिकाना हक़ राजू चेकुरी के पास है, जो नेतेनरिच कंपनी के चेयरमैन, प्रेसिडेंट और सीईओ हैं।

खेलों के प्रति गहरी रुचि रखने वाले चेकुरी ने कहा, गोवा गार्जियंस के साथ प्राइम वॉलीबॉल लीग में शामिल होना सिर्फ एक टीम लॉन्च नहीं, बल्कि भारतीय वॉलीबॉल में एक दीर्घकालिक निवेश है। हमारा लक्ष्य है भारत के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की एथलेटिक प्रतिभा को निखारना और उन्हें वैश्विक मंच प्रदान करना। उन्होंने कहा, मेरा सपना है कि भारत अगले दशक में ओलंपिक में वॉलीबॉल में प्रतिस्पर्धा करे।

इसके लिए हमें एक लीग, एक सोच बनकर मिलकर काम करना होगा ताकि खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का एक्सपोजर और प्रशिक्षण मिल सके। गोवा गार्जियंस इसी मिशन के लिए समर्पित है। प्राइम वॉलीबॉल लीग के मार्केटिंग पार्टनर बेसलाइन वेंचर के मैनेजिंग डायरेक्टर और को-फाउंडर तुशीन मिश्रा ने कहा, हर सीज़न में एक नई टीम का आना यह दर्शाता है कि लीग की पहुंच और लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

गोवा गार्जियंस के आने से लीग को और मजबूती मिलेगी और अधिक भारतीय खिलाड़ियों को खुद को साबित करने का मंच मिलेगा। पीवीएल के सीईओ जॉय भट्टाचार्य ने कहा, गोवा गार्जियंस एक बेहतरीन जोड़ है। चेकुरी की दूरदर्शिता और खेल के प्रति उनका समर्पण हमें भरोसा दिलाता है कि यह टीम कुछ खास लेकर आएगी।

वॉलीबॉल पहले से ही भारत में लोकप्रिय खेल है और इस नई टीम की एंट्री इस बढ़ती लोकप्रियता का प्रतीक है। गोवा गार्जियंस अब लीग में अहमदाबाद डिफेंडर्स, बेंगलुरु टॉरपीडोज़, कालीकट हीरोज़, चेन्नई ब्लिट्ज, दिल्ली तूफ़ान्स, हैदराबाद ब्लैक हॉक्स, कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स, कोलकाता थंडरबोल्ट्स और मुंबई मेटियर्स के साथ मुकाबला करेगी।

लीग के चौथे सीज़न का प्लेयर ऑक्शन 8 जून को केलिकट में आयोजित होगा, जिसे प्राइम वॉलीबॉल लीग के यूट्यूब चैनल पर लाइव देखा जा सकेगा। इसके बाद 2 अक्टूबर से शुरू होगा सीज़न 4, जो दर्शकों को रोमांचक मुकाबले और विश्वस्तरीय वॉलीबॉल का अनुभव देगा।

न्यूज़ ब्रीफ

इंडोनेशिया ओपन 2025: पी.वी. सिंधु प्री-क्वार्टर फाइनल में हारीं, ट्रीसा-गायत्री की जोड़ी भी बाहर

जकार्ता। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी.वी. सिंधु का इंडोनेशिया ओपन 2025 में सफर गुरुवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग के हाथों हार के साथ समाप्त हो गया। सिंधु ने मैच की अच्छी शुरुआत की और पहले गेम में 10-16 से पिछड़ने के बावजूद वापसी करते हुए गेम 21-18 से अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे गेम में चोचुवोंग ने आक्रामक खेल दिखाया और 10 अंकों की बढ़त बनाते हुए गेम 21-10 से जीत लिया। निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ी लंबे समय तक बराबरी पर रहीं, लेकिन आखिरी क्षणों में चोचुवोंग ने बढ़त बनाते हुए गेम 21-18 से जीतकर मैच अपने नाम किया। ट्रीसा-गायत्री की जोड़ी भी हारी महिला युगल मुकाबले में भारत की ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी जापान की युकी फुकुशिमा और मायु मात्सुमोतो के खिलाफ 13-21, 22-24 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। पुरुष युगल में भारत की उम्मीदें बरकरार भारत की चुनौती टूर्नामेंट में अभी बाकी है, क्योंकि पुरुष युगल वर्ग में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी आज बाद में अपने मुकाबले में उतरेगी।

भारत के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम घोषित, बेन स्टोक्स करेंगे कप्तानी

लंदन। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारत के खिलाफ शुरू होने वाली रोथसे टेस्ट सीरीज़ के पहले मैच के लिए 14 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह मुकाबला 20 जून से लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खेला जाएगा। टीम की कमान एक बार फिर कप्तान बेन स्टोक्स के हाथों में होगी। खास बात यह है कि सरे के ऑलराउंडर जेमी ओवरटन की टेस्ट टीम में वापसी हुई है। उन्होंने आखिरी बार जून 2022 में हेडिंग्ले में ही न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना डेब्यू मैच खेला था। हालांकि हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज़ के दौरान उनकी उंगली में चोट लगी थी और फिलहाल वे मेडिकल निगरानी में हैं। ब्रायडन कार्स, जैकब बेटल और क्रिस वोक्स की भी टीम में वापसी हुई है। ये तीनों खिलाड़ी दिसंबर में न्यूजीलैंड दौरे पर टेस्ट टीम का हिस्सा थे। वहीं, तेज़ गेंदबाज़ गस एटकिंसन को ज़िम्बाब्वे के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज टेस्ट के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के कारण चयन से बाहर कर दिया गया है। इंग्लैंड और भारत के बीच कुल पांच टेस्ट मैचों की सीरीज़ खेली जाएगी, जिसका अंतिम मुकाबला 4 अगस्त को लंदन के किआ ओवल में होगा।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड लीग: अमेरिकन स्ट्राइकर्स को हराकर ट्रांस टाइटंस फाइनल में पहुंची

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रही इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड लीग के पहले सेमीफाइनल मैच में ट्रांस टाइटंस ने अमेरिकन स्ट्राइकर्स के खिलाफ 7 रन से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ट्रांस टाइटंस ने फाइनल में जगह पक्की कर ली। बुधवार शाम को हुए इस मुकाबले में अमेरिकन स्ट्राइकर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी टाइटंस के खिलाड़ी शुरू से ही हावी नजर आए और निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान 239 रनों का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा कर दिया। टाइटंस के कप्तान ऋषि धवन ने शानदार खेल दिखाते हुए 40 गेंदों पर ताबड़तोड़ 90 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज जेस्सी राइडर ने 31 रनों की पारी खेली। अंत में सुमित वर्मा (44) और नमन शर्मा (48) ने स्कोर को बड़ा बनाने में मदद की। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अमेरिकन स्ट्राइकर्स 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 232 रनों तक ही पहुंच पाई। अमेरिकन स्ट्राइकर्स के बल्लेबाज शोएब खान (42), अयान खान (38), प्रदीप सांगवान (35), इशान मलहोत्रा (38) ने छोटी ही सही, लेकिन उपयोगी परियां खेलीं। हालांकि इतना नाकाफी रहा और टीम फाइनल में पहुंचने से चूक गई। मैच के दौरान पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री मेनका गांधी, बॉलीवुड सिंगर अल्तमश फरीदी और शादाब फरीदी मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

हेले मैथ्यूज की चोट से वेस्टइंडीज को झटका इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में खेलना संदिग्ध

लंदन

वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हेले मैथ्यूज के इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे मैच में खेलने पर संशय बना हुआ है। उन्हें पहले वनडे के दौरान डर्बी में फील्डिंग करते समय बाएं कंधे में चोट लग गई थी, जिसके चलते वे दूसरे मुकाबले से बाहर रहीं। अब उनकी यह चोट गंभीर हो गई है और वे गुरुवार को लंदन में विशेषज्ञ से परामर्श लेंगी।

वेस्टइंडीज की महिला टीम के कोच शेन डिट्ज़ ने दूसरे वनडे में 143 रन की हार के बाद कहा, वह गुरुवार सुबह लंदन जा रही हैं, उम्मीद है कि हमें अच्छी खबर मिले।

इंग्लैंड महिला टीम ने पहला वनडे 108 रन से जीतने के बाद अब तीसरे वनडे में जीत के साथ दौरे पर टी20 और वनडे दोनों सीरीज को क्लीन स्वीप करने का मौका बना लिया है। इंग्लैंड ने टी20 सीरीज पहले ही 3-0 से अपने नाम कर ली है।

हेले मैथ्यूज ने टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था और प्लेयर ऑफ द सीरीज बनी थीं। उन्होंने 177 रन बनाए, जिसमें 137.20 की स्ट्राइक रेट और 88.50 की औसत रही। कैंटरबरी में उन्होंने नाबाद शतक जड़ा, जबकि चेल्म्सफोर्ड में 71 रन बनाने के साथ-साथ 3 विकेट भी लिए।

पहले वनडे में मैथ्यूज के साथ 91 रन की साझेदारी करने वाली ओपनर कियाना जोसेफ भी दूसरे मैच में बीमार होने के कारण नहीं खेल सकीं। कोच डिट्ज़ ने उनके तीसरे मैच में खेलने की उम्मीद जताई है। उन्होंने कहा, वह बस में बहुत बीमार लग रही थीं, इसलिए उन्हें आराम के लिए वापस भेज दिया। उम्मीद है कि दो दिन में ठीक हो जाएंगी।

दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज की ओर से 20 वर्षीय रीयलीना ग्रिमंड ने डेब्यू पर 53 रन की पारी खेली। वे दोनों ओपनर्स की गैरमौजूदगी में ज़ायडा जेम्स के साथ पारी की शुरुआत करने उतरीं। डिट्ज़ ने उनकी तारीफ करते हुए कहा, उन्होंने यह दिखा दिया कि वे इस स्तर पर खेलने की काबिलियत रखती हैं। अगर उन्होंने मेहनत जारी रखी तो एक लंबा और सफल करियर उनका इंतजार कर रहा है।

इसके अलावा जनीलिया ग्लासगो ने भी अपनी सिर्फ पांचवीं वनडे पारी में 24 गेंदों में 44 रन ठोंककर प्रभावित किया। दूसरी ओर इंग्लैंड की ओर से एमी जोन्स और टैमी ब्यूमोंट ने लगातार दूसरे वनडे में शतकीय पारियां खेलीं। डर्बी में 222 रन की साझेदारी के बाद, लीसेस्टर में दोनों ने 202 रन जोड़े। जोन्स ने 98 गेंदों में 129 रन बनाए, जबकि ब्यूमोंट ने ठंड के बावजूद 109 गेंदों में 106 रन की पारी खेली। ब्यूमोंट ने जोन्स की तारीफ करते हुए कहा, मैं उस पर गर्व करती हूं कि उसने अपने पहले शतक के बाद इस पारी को और बेहतर अंदाज़ में दोहराया। हम दोनों की बैटिंग स्टाइल अलग है, जिससे गेंदबाजों को चुनौती मिलती है। इंग्लैंड ने 366 रन बनाए जो उनका अब तक का दूसरा सबसे बड़ा वनडे स्कोर है। इसके अलावा एम्मा लैम्ब ने 55 रन और सोफिया डंकली ने 19 गेंदों में 31 रन की तेजतर्रार पारी खेली। तीसरा और अंतिम वनडे शनिवार को टॉनटन में खेला जाएगा, जहां इंग्लैंड क्लीन स्वीप की कोशिश करेगा, जबकि वेस्टइंडीज की नजर सम्मान बचाने पर होगी।

बनारस के युवा क्रिकेटर बोले, भुवनेश्वर है आरसीबी की जीत के असली नायक

वाराणसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 18 साल के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के प्रशंसकों में खुशी की लहर है। इस जीत से टीम के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के खिताब जीतने का सपना भी पूरा हुआ है। इसी कारण जीत के बाद विराट भावुक नजर आये थे। वहीं यहां के स्थानीय क्रिकेटरों के अनुसार टीम की जीत में गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की अहम भूमिका रही है हालांकि उन्हें इसका श्रेय नहीं मिला। इन युवा क्रिकेटरों के अनुसार भुवनेश्वर ने पंजाब किंग्स के दो अच्छा बल्लेबाजों को आउट कर मैच अपनी टीम की ओर मोड़ दिया था। अगर वह ये विकेट नहीं लेते तो मैच हाथ से फिसल जाता हालांकि इन क्रिकेटरों ने विराट की मेहनत और जुनून की प्रशंसा की पर साथ ही कहा कि जीत में हर खिलाड़ी का योगदान होता है। इनका कहना है कि विराट ने इस मैच में सबसे ज्यादा रन बनाए, जिसकी वजह से टीम ने बड़ा स्कोर बना पायी। वहीं एक प्रशंसक ने कहा कि उन्हें पहले ही टीम की जीत का भरोसा था। उन्होंने कहा कि विराट ने जिस तरह पूरे टूर्नामेंट में टीम को प्रेरित किया, और बाकी खिलाड़ियों ने साथ निभाया। उससे लग रहा था कि इस बार जीत उसे ही मिलेगी। ह जीत उन सभी प्रशंसकों के लिए भावनाओं से भरी रही, जो सालों से टीम के ट्रॉफी जीतने का इंतजार कर रहे थे।

चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ में 11 लोगों की मौत पर आरसीबी ने जताया शोक

बेंगलुरु

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का खिताब जीतने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टीम के स्वागत समारोह से पहले बड़ा हादसा हो गया। बुधवार को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भारी भीड़ के चलते मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 33 लोग घायल हो गए।

घटना के बाद आरसीबी फ्रेंचाइज़ी ने एक बयान जारी कर दुख जताया। बयान में कहा गया, आरसीबी इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करती है और प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट करती है। मीडिया रिपोर्ट्स के माध्यम से जो दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं सामने आई हैं, उनसे हम अत्यंत व्यथित हैं। हम सभी की सुरक्षा और भलाई को सर्वोपरि मानते हैं।

टीम के स्वागत के लिए जुटी थी हजारों की भीड़ आरसीबी के पहले आईपीएल खिताब के जश्न के तहत एक ओपन बस परेड और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। इसी को लेकर स्टेडियम के बाहर हजारों प्रशंसक एकत्र हुए थे। लेकिन भीड़ पर काबू न पाने के कारण भगदड़ मच गई।

मुख्यमंत्री ने की मुआवजे की घोषणा

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि भगदड़ में 11 लोगों की जान गई है और 33 लोग घायल हैं। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये मुआवज़ा देने की घोषणा की है।

कार्यक्रम में किए गए बदलाव

आरसीबी फ्रेंचाइज़ी ने बताया कि जैसे ही उन्हें इस हादसे की जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत कार्यक्रम को छोटा कर दिया और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन किया। बयान में आगे कहा गया, स्थिति की जानकारी मिलते ही हमने कार्यक्रम में तत्काल बदलाव किए और प्रशासन के मार्गदर्शन का पूरी तरह पालन किया।

कुलदीप की वंशिका से सगाई हुई

क्रिकेटर कुलदीप यादव ने अपने बचपन की दोस्त वंशिका से लखनऊ में सगाई की है। एक भव्य समारोह में सगाई का ये कार्यक्रम हुआ। सगाई सामारोह में कुलदीप ने जहां ऑफ वाइट रंग काएम्ब्रॉडरी वाला कोट पहना था। वहीं वंशिका नारंगी रंग के लहंगे में बेहद सुंदर नजर आ रही थी। एक रिपोर्ट के अ अनुसार वंशिका एलआईसी में काम करती हैं। कुलदीप ने कुछ समय पहले अपनी शादी को लेकर कहा था कि वह किसी बॉलीवुड अभिनेत्री से शादी नहीं करेंगे। उन्होंने तब कहा था, 'आपको जल्द ही खुशखबरी मिलेगी पर मेरी होने वाली बीवी कोई अभिनेत्र नहीं होगी। वह मेरी और मेरे परिवार की देखभाल करने वाली होगी। आईपीएल के इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से कुलदीप ने 14 मैच में कुल 15 विकेट लिए थे। वहं पिछले सत्र में उन्होंने 11 मैच में 16 विकेट लिए थे। 18वें सीजन की शानदार शुरुआत करने के बावजूद कुलदीप की टीम प्लेऑफ में क्वालीफाई नहीं कर पायी थी। अब कुलदीप भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर जाएंगे।

पुर्तगाल ने जर्मनी को हराकर नेशंस लीग फाइनल में बनाई जगह

म्यूनिख

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के 68वें मिनट में किए गए निर्णायक गोल की बदौलत पुर्तगाल ने जर्मनी को 2-1 से हराकर यूईएफए नेशंस लीग 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। यह जीत रोनाल्डो के लिए खास रही क्योंकि उन्होंने पहली बार जर्मनी के खिलाफ जीत दर्ज की, इससे पहले उनके खिलाफ खेले पांचों मुकाबले हार में बदले थे।

इस मैच से पहले रोनाल्डो को जर्मनी के खिलाफ जीत का स्वाद नहीं मिला था, लेकिन उन्होंने इस मैच में न सिर्फ अपनी बदकिस्मती तोड़ी बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना 137वां गोल भी किया। नूनो मेंडेस के शानदार क्रॉस पर रोनाल्डो ने नजदीक से गेंद को नेट में डालकर टीम को बढ़त दिलाई।

बारिश के कारण 10 मिनट देरी से शुरू हुए इस मुकाबले में पहले हाफ के बाद जर्मनी ने बढ़त बना ली थी। 48वें मिनट में फ्लोरियन विर्ट्ज़ ने मिडफील्ड से चालाकी से खेलते हुए खुद ही मूव शुरू किया और फिर जोशुआ किमिच की सहायता से शानदार हेडर के जरिए गोल दागा।

जर्मनी की बढ़त ज्यादा देर नहीं टिकी। 60वें मिनट में पुर्तगाल के कोच रोबर्टो मार्टिनेज ने तीन बदलाव किए और इनमें से एक रहे फ्रांसिस्को कोंसेसाओ ने मैदान में आते ही पांच मिनट में कमाल कर दिया। उन्होंने आधे मैदान से दौड़ लगाई, रॉबिन गोसेन्स को छकाया और टेर स्टेगन को चकमा देते हुए गोल दाग दिया।

मैच का निर्णायक मोड़ 68वें मिनट में आया जब नूनो मेंडेस के पास पर रोनाल्डो ने क्लोज रेंज से गोल कर पुर्तगाल को 2-1 की बढ़त दिलाई। इससे पहले वे दो मौके गंवा चुके थे, लेकिन इस बार उन्होंने कोई गलती नहीं की।

पुर्तगाल अब रविवार को नेशंस लीग 2025 के फाइनल में स्पेन और फ्रांस के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम से भिड़ेगा। पुर्तगाल इससे पहले 2019 में इस टूर्नामेंट का पहला संस्करण जीत चुका है।

जूलियन नगेल्समैन की टीम जर्मनी के लिए यह हार झटका है, क्योंकि यह उनके पिछले 18 मुकाबलों में सिर्फ दूसरी हार है। म्यूनिख में जन्मे करीम अडेयेमी ने आखिरी मिनटों में गोल का मौका बनाया लेकिन उनकी शॉट क्रॉसबार से टकरा गई। अब जर्मनी तीसरे स्थान के मुकाबले में स्टटगार्ट में उतरेगा।

नजमुल हुसैन शान्तो एक साल और बने रहेंगे टेस्ट कप्तान, श्रीलंका दौरे के लिए बांग्लादेश की टीम घोषित

2025-2027 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की होगी शुरुआत, लिटन दास की वापसी

ढाका

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने बुधवार को श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज़ के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की। इस सीरीज़ से बांग्लादेश की 2025-2027 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरुआत भी होगी।

बीसीबी ने इस दौरान घोषणा की कि नजमुल हुसैन शान्तो को एक साल के लिए और टेस्ट कप्तान बनाए रखा गया है। वह 2024 से टीम की अगुवाई कर रहे हैं। ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज उपकप्तान की भूमिका में बने रहेंगे।

लिटन दास और इबादत हुसैन की वापसी

टीम में चोट के कारण पिछली सीरीज़ से बाहर रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज़ लिटन दास की वापसी हुई है। तेज गेंदबाज इबादत हुसैन, जो जुलाई 2023 के बाद पहली बार टीम में लौटे हैं, उन्हें भी स्क्वाड में शामिल किया गया है। इसके अलावा बाएं हाथ के स्पिनर हसन मुराद और दाएं हाथ के तेज गेंदबाज नाहिद राना की भी टीम में वापसी हुई है।

तीन खिलाड़ियों को किया गया बाहर

जिम्बाब्वे के खिलाफ हाल ही में खेली गई घरेलू टेस्ट सीरीज़ में शामिल तीन खिलाड़ियों को इस बार टीम से बाहर कर दिया गया है। इनमें बाएं हाथ के स्पिनर तनवीर इस्लाम, तेज गेंदबाज तंजीम हसन साकिब और ओपनर महमूदुल हसन जॉय शामिल हैं।

श्रीलंका दौरे का कार्यक्रम

बांग्लादेश टीम 13 जून को श्रीलंका रवाना होगी। पहला टेस्ट 17 जून से गाले में जबकि दूसरा टेस्ट 25 जून से कोलंबो में खेला जाएगा।

श्रीलंका दौरे के लिए बांग्लादेश की टेस्ट टीम:

नजमुल हुसैन शान्तो (कप्तान), शादमान इस्लाम, अनामुल हक विजय, मोमिनुल हक शोहराब, मुशफिकुर रहीम, लिटन कुमार दास, माहिदुल इस्लाम भुइयां, जाकिर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज (उपकप्तान), तैजुल इस्लाम, नईम हसन, हसन मुराद, एबादोत हुसैन चौधरी, हसन महमूद, नाहिद राना, सैयद खालिद अहमद।

इस बारिश सेहत का कुछ ऐसे रखें ख्याल

गर्मी के मौसम के तुरंत बाद बारिश का मौसम आना जैसे बंजर जमीं पर पानी की बूंद गिरने जैसा होता है। गर्मी के बाद बारिश सबको अजीब सा सुकून देता है। बारिश में लोग भीगना पसंद है। मगर ज्यादा तर बीमारियां बारिश के आने के बाद आती हैं। तो किस तरह से इस बारिश के मौसम में रखें अपने सेहत का ख्याल आपको बतातें हैं। देश में जहां कई जगहों पर बारिश शुरू हो चुकी है वहीं कई कोनो में लोग अभी बेसब्री से बारिश का इंतजार कर रहे हैं। तो इस तरह से सभी को मानसून एन्जॉय करने के साथ इसके साथ आने वाली बीमारियों का भी ख्याल रखना चाहिए। क्यों की मानसून जरूर ठंडक लाता है मगर साथ में वह अपने बहुत सारी बीमारियां भी लाता है।

खानपान का रखें ध्यान: बारिश के दिनों में बाहर का खाना सबको बहुत अच्छा लगता है मगर वहीं खाना पेट की बिमारियों को जन्म देता है। बारिश में गलत खाना खाने से पीलिया, मलेरिया, टायफाइड, पेट व आंतों संबंधी बीमारियां, खांसी, जुकाम, जोड़ों में दर्द, त्वचा में इंफेक?शन, बुखार और फ्लू जैसी सकती है। इस तरह से इस बारिश जो भी आप खाते है उसे अपनी सेहत के अनुसार खाएं।

तुलसी और कड़ी पत्ते का प्राकृतिक क्लींजर

कड़ी पत्ते और तुलसी दोनों में एंटी-आक्सीडेंट होते हैं। जो आपकी त्वचा को इंफेक्शन और मुंहासों से बचाते हैं। साथ ही यह आपकी त्वचा को कोमल व नर्म बनाने के साथ पिग्मेंटशन (झांइयों) और झुरियों को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा इसमें एंटी-इंफलेमेटरी और मॉश्चराइजिंग गुण भी होते हैं जिसे त्वचा पर लगाने से त्वचा में निखार आने लगता है।

रेड बर्थमार्क के कारण, निदान और इलाज

बर्थमार्क्स यानी जन्मजात निशान त्वचा पर मौजूद बदरंग निशान होते हैं। कई नवजात शिशुओं में लाल अथवा कुछ अन्य प्रकार के निशान होते हैं। आमतौर पर ये निशान जन्म के कुछ सप्ताहों के भीतर ही नजर आ जाते हैं। ये निशान त्वचा के करीब मौजूद रक्त वाहिनियों द्वारा बनते हैं। इन निशानों के बनने की बड़ी वजह त्वचा में पिग्मेंटशन के कारण रक्तवाहिनियों का अधिक निर्माण होता है।

कारण

आमतौर पर इन निशानों का मुख्य कारण किसी को नहीं पता। और साथ ही इन निशानों को होने से रोकने के लिए ही कुछ किया जा सकता है। बर्थमार्क्स के कारकों के बारे में भले ही अधिक जानकारी न हो, लेकिन इतना तो साफ है कि वाहिकीय समस्याओं से होने वाले बर्थमार्क्स अनुवांशिक नहीं होते। जानकार मानते हैं कि इसके पीछे त्वचा कोशिकाओं को प्रभावित करने वाले स्थानिक कारण अधिक उत्तरदायी होते हैं।

पोर्ट वाइन स्टेन

इन निशानों की मुख्य वजह रक्तवाहिनियों की चौड़ाई निर्धारित करने वाली प्रक्रिया में असंतुलन का होना है। परिणामस्वरूप, इस क्षेत्र में निरंतर प्रवाहित होने वाला रक्त लाल अथवा बैंगनी हो जाता है। पोर्ट वाइन स्टेन इसके अलावा स्ट्रग-वेबर-सिंड्रोम और क्लिपल ट्रेनायूने सिंड्रोम के कारण भी हो सकता है।

निदान

रेड बर्थमार्क्स के निदान की प्रक्रिया इस बात पर निर्भर करती है कि आखिर ये निशान नजर कैसे आते हैं। डॉक्टर इनका इलाज करने से पहले इनकी अच्छी तरह जांच करते हैं। बर्थमार्क्स की गहरी जांच करने के लिए डॉक्टर बॉयोप्सी, सीटी स्कैन और एमआरआई भी करने की सलाह दे सकता है।

इलाज

अधिकतर बर्थमार्क्स किसी प्रकार की परेशानी खड़ी नहीं करते और उन्हें किसी इलाज की जरूरत नहीं होती। हालांकि, कुछ रेड बर्थमार्क्स से परेशानी हो सकती है। कुछ निशान तो कैंसर का रूप भी ले सकते हैं। रेड बर्थमार्क्स बच्चे के थोड़ा बड़े होने के साथ ही गायब भी हो जाते हैं। बहुत कम निशान ही रक्तवाहिनियों के ट्यूमर में परिवर्तित हो सकते हैं। इन्हें हेमेन्गिओमस कहा जाता है। कुछ निशान ऐसे भी होते हैं, जो ठीक नहीं होते और स्थाई रूप से साथ रहते हैं।

हेमेन्गिओमस को इलाज करवाने की जरूरत तब पड़ती है, जब इनका असर आपके लुक पर पड़ता हो। इसके साथ ही अगर इससे आपको भावनात्मक तनाव अथवा दर्द होता हो, तो भी आपको इसका इलाज करवाना चाहिए। इतना ही नहीं अगर हेमेन्गिओमस के आकार, स्वरूप अथवा रंग में किसी प्रकार के बदलाव का आभास होने पर भी इलाज करवाया जाना चाहिए। हेमेन्गिओमस यदि बच्चे की आंख के करीब हो, तो उसका इलाज जरूर करवाना चाहिए, क्योंकि इसका असर उसके देखने की क्षमता पर पड़ सकता है।

बर्थमाक्स के आकार पर निर्भर करता है कि इसके इलाज में किस प्रकार की इलाज पद्धति को अपनाया जाए। इसके लिए लेजर ट्रीटमेंट से लेकर कॉस्मेटिक के अन्य तरीके भी आजमाए जा सकते हैं। इसके अलावा बर्थमार्क्स के निशान को छोटा करने क लिए दवाओं अथवा इंजेक्शन का भी प्रयोग किया जा सकता है।

बहुत ही दुर्लभ मामलों में बर्थमार्क्स का संबंध किसी अन्य बीमारी से होता है। लेकिन, कुछ मामलों में देखा गया है कि लिवर, फेफड़े, पेट अथवा अंत्राशय की बीमारियों के फलस्वरूप भी बर्थमार्क्स हो सकते हैं। यदि ऐसी कोई समस्या नजर आए, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

क्या 30 साल के बाद भी बढ़ सकती है लंबाई?

एक बार हड्डियां के बढ़ना रूकने के बाद, लंबाई को बढ़ाने की सीमा तय हो जाती है। फिर लंबाई को बढ़ना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि स्ट्रेचिंग की मदद से अपने पॉश्चर में सुधार कर अपनी लंबाई बढ़ा सकते हैं।

लड़कियों की लंबाई 11.5 वर्ष और लड़कों की लंबाई 13.5 वर्ष तक ही बढ़ती है। डॉक्टर के अनुसार, लड़कों को लड़कियों की तुलना में हड्डियों की ग्रोथ बंद होने से पहले लंबाई बढ़ाने का दो साल का लंबा समय मिलता है। लेकिन वयस्कों में लंबाई बढ़ाने के लिए स्ट्रेच एक अच्छा आइडिया है, क्योंकि यह रीढ़ की हड्डी में संकोचन को कम करता है। स्ट्रेचिंग से आपको पॉश्चर में सुधार करने और लंबाई की सीमा बढ़ाने में मदद मिलती हैं।

टिप्स

- योग के सही मुद्रा एक योग्य योग प्रशिक्षक की मदद से सीखें।
- कई स्वास्थ्य केन्द्र, योग केंद्र और सामुदायिक कॉलेज योग शिक्षा प्रदान करते हैं।
- लंबाई बढ़ाने का दावा करने वाले प्रोडक्ट के बारे में पूरी जानकारी लें।
- ऐसा कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है कि, सप्लीमेंट की मदद से किसी भी वयस्क की लंबाई को स्थायी रूप से बढ़ाया जा सकता है।

स्टेप 1

ताड़ासन को पर्वत योग मुद्रा भी कहते हैं। इस स्ट्रेच योग को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर दरी बिछाकर सीधे खड़े हो जाएं। अपने दोनों पैर को आपस में मिलाकर और दोनों हथेलियों को अपने बगल में रखें फिर पूरे शरीर को स्थिर रखें और दोनों पैरों पर अपने शरीर का वजन सामान रखें। उसके बाद दोनों हथेलियों की अंगुलियों को मिलाकर सिर के ऊपर ले जाएं। हथेलियों सीधी रखें और सांस भरते हुए अपने हाथों को ऊपर की ओर खींचिए, जिससे आपके कंधों और चेस्ट में भी स्ट्रेच आएगा। इसके साथ ही पैरों की एड़ी को भी ऊपर उठाएं और पैरों की अंगुलियों पर शरीर का संतुलन बनाए रखिए। इस स्थिति में कुछ देर रहें। इस योगाभ्यास करते समय में पूरे शरीर में उपयुक्त रूप से स्ट्रेच महसूस होता है। योग जर्नल वेबसाइट के अनुसार यह मुद्रा आपको रीढ़ की हड्डी को सीधा करने में मदद करती है। सीधा खड़ा होना, गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव का विरोध कर आपकी लंबाई को 30 की उम्र के बाद भी बढ़ता है।

स्टेप 4

क्लॉस या होम एक्सरसाइज वीडियो के माध्यम से योग या पिलेट्स करें, जिससे आपके पूरे शरीर का स्ट्रेच हो सके। योग या पिलेट्स को नियमित करने अच्छी मुद्रा को एक आदत बनाने में मदद मिलती है और मसल्स को मजबूती मिलती है जिससे आपकी रीढ़ और अंगों को उचित एलाइनमेंट मिलती है। नियमित रूप से स्ट्रेचिंग रीढ़ की हड्डी पर संकोचन को कम करने में मदद करता है जिससे आप 30 साल की उम्र के बाद भी लंबाई बढ़ा सकते है। हालांकि इस बात के कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

स्टेप 2

भुजंगासान को कोबारा पोज भी कहते हैं। इस आसान में चेहरे पर स्ट्रेच महसूस करते हुए अपनी उंगालियों को कंधों की तरफ और कोहनी को अपनी साइट में रखते हैं। साथ ही अपने शरीर के निचले हिस्से पर दबाव बनाए रखते हैं। अपनी बाहों को सीधा रखते हुए शरीर के ऊपरी हिस्से को ऊपर की तरफ और निचले हिस्से को जमीन पर रखते हैं। ऊपरी हिस्से को तब तक ही उठाते हैं, जितना की आप आराम से उठा सकें। अपनी रीढ़ में स्ट्रेच महसूस करें। सांस छोड़ते और 15 की गिनती करते हुए धीरे-धीरे अपने ऊपरी हिस्से को नीचे लाएं। इससे आपके चेस्ट और पेट की मसल्स में स्ट्रेच होगा। इसको नियमित करने से लंबाई बढाई जा सकती है। इस मुद्रा को नियमित रूप से करने लंबाई बढ़ाने में मदद मिलती है क्योंकि इससे आप बैठते, उठते और खड़े होते समय रीढ़ की हड्डी लंबा बनाये रखने में मदद मिलती है।

स्टेप 3

शॉवर लेने के बाद भी नियमित रूप से स्ट्रेच करें क्योंकि इस समय आपकी मसल्स गर्म होती है। पांच मिनट एक ही जगह चलने के बाद धीरे-धीरे अपने दोनों हाथों को हिलाएं और पैरों को ढीला छोड़कर तनाव को रिलीज करें। फिर एक समय में एक हाथ को ऊपर की तरफ स्ट्रेच करें। अब अपने पैर की उंगलियों से लेकर हिप्स और कंधे तक बॉडी की एक साइड को स्ट्रेच करें। फिर दूसरी तरफ से ऐसा ही करें और तीन से पांच बार दोहराएं।

स्किन के लिए वरदान है एक कप चाय

ज्यादातर हम सभी के दिन की शुरूआत एक कप चाय से होती है। चाय से थकान दूर होती है और ताजगी आ जाती है। दिन भर की थकान को दूर करने के लिए भी एक कप चाय मिल जाए तो क्या ही बात। लेकिन अक्सर चाय और कॉफी को सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता है। कहा जाता है ज्यादा चाय पीने से काले हो जाते हैं, लेकिन ये सही नहीं है। चाय स्वास्थ्यवर्धक भी होती है। ये आपको ताजगी देने के साथ-साथ खूबसूरती बढ़ाने में भी मदद करती है, क्योंकि इसमें प्रचुर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं।

स्किन बनाए हेल्दी

हेल्दी स्किन यानी नम त्वचा। शरीर में नमी बनाए रखने के लिए पर्याप्त लिक्विड लेना जरूरी है। इसमें सभी तरह की चाय शामिल हो सकती है, क्योंकि गर्मी के दिनों में शरीर को ज्यादा पानी की जरूरत होती है। लिक्विड लेने से स्किन फ्रेश रहती है और पानी की कमी नहीं होती है।

ग्रीन टी

अगर आपकी स्किन रूखी और बेजान हो गई है तो ठंडी ग्रीन टी अपने चेहरे पर छिड़कें। ये एक बेहतरीन मॉइस्चराइजर का काम करती है। इससे आपकी स्किन तरोताजा हो जाएगी और चेहरा साफ व ग्लोइंग लगेगा।

डार्क सर्कल

दरअसल चाय में कैफीन होता है, जो आपके ब्लड वेसल को सिकुड़ने में मदद करता है। नींद पूरी न होने या अन्य कारणों से अगर आप की आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स पड़ गए हैं या सूजन आ गई है तो टी बैग इसे सही करने में आपकी मदद करेगा। उसे फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें। ठंडा होने पर उसे आंखों के नीचे रखें। इससे आंखों की थकान दूर होती है।

पैरों की बदबू से छुटकारा

पैरों में बदबू आने पर अगर आप डीओ का इस्तेमाल करती है तो ऐसा न करें। इसके लिए आप उबली हुई ब्लैक टी के मिश्रण में अपने पैर डुबाएं। ये एंटी बैक्टीरियल होती है, जो आपके पैरों में आ रहे पसीने को रोकती है। इससे पैरों में बदबू नहीं आती है।

बाल बनाए घने

ब्लैक टी बाल गिरने की समस्या से निजात दिलाती है। अगर आप अपने बालों को घना करना चाहती हैं तो उन्हें ब्लैक टी और ग्रीन टी से धोएं। वहीं ग्रीन टी बालों को बढ़ने में मदद करती है। ठंडी की हुई चाय को बालों पर डालें और उसे 10 मिनट तक रखें। इसके बाद अपने बालों को शैंपू और कंडीशनर से धो लें।

तकनीकी दक्षता कौशल ही नहीं बल्कि एक जरूरत

...तो कितने 'टैक स्मार्ट' हैं आप

आज की दुनिया का हर पहलू तेजी से इंटरनेट से जुड़ता जा रहा है। सोशल नैटवर्किंग वेबसाइट्स की लोकप्रियता भी इनमें शामिल हो चुकी है। ऐसे में कंपनियों का आधुनिक तकनीकों तथा रुझानों से भली प्रकार अवगत कर्मचारियों की तलाश करना स्वाभाविक हो गया है।

ऐसे कर्मचारियों को अधिक महत्व

जानकार कहते हैं कि इन दिनों संस्थान तकनीकी रूप से सक्षम कर्मचारियों का महत्व समझते हैं और वे अपने यहां नियुक्तियों के लिए आवेदन करने वाले कर्मचारियों में संबंधित कौशल की अपेक्षा भी रखते हैं। कंपनियां मानती हैं कि कर्मचारियों में तकनीकी समझ को ग्रहण करने की कुदरती खूबी होनी चाहिए तभी वे भविष्य में कंपनी में या कामकाज में होने वाले तकनीकी विकास के साथ कदम से कदम मिला कर कम्पनी के हित में कार्य कर सकेंगे। वैसे भी हर कंपनी अपनी प्रतियोगी कंपनी से आगे रहने की कोशिश करती है, जिसके लिए उसके कर्मचारियों में गहन तकनीकी ज्ञान होना अनिवार्य हो जाता है। इतना ही नहीं, बहुराष्ट्रीय कंपनियों में तो यह कौशल और भी जरूरी है।

बेहतर ढंग से दे सकते हैं अंजाम...

आज के दौर में तकनीकी दक्षता कौशल ही नहीं, एक जरूरत बन चुकी है। यह भी माना जाता है कि आज के दौर में अच्छा प्रदर्शन तथा करियर में तरक्की के लिए तकनीकी दक्षता बेहद महत्वपूर्ण है। तकनीकी रूप से सक्षम व्यक्ति अपने काम को और अधिक बेहतर ढंग से अंजाम दे सकता है जो उसके साथ-साथ कम्पनी के लिए भी लाभदायक स्थिति साबित होती है। यह सवाल भी उठ सकता है कि भला कोई कंपनी किस तरह से किसी के टीएसक्यू का आकलन लगा सकती है। इसके लिए इंटरव्यू के दौरान पूछे जाने वाले सवालों से ही प्रार्थी की तकनीकी दक्षता तथा तकनीकों से उसके लगाव के बारे में काफी कुछ पता चल सकता है। अंत में निष्कर्ष यही निकलता है कि आज के प्रतियोगी दौर में सफल होना है तो युवाओं को नवीनतम तकनीक के प्रति सजग रहते हुए अपने 'टैक-स्मार्ट क्वोशन्ट' को उम्दा बनाए रखना चाहिए।

ब्रेन फूड बनाएगा आपके दिमाग को और तेज

आमतौर पर हमेशा हमारा जोर ऐसे खाने पर रहता है, जिससे हम अपने दिमाग को और भी तेज बना सकें। ऐसे में हम ड्राई फ्रूट्स खाने पर ज्यादा जोर देते हैं। इसके अलावा दूध का भी लोग खूब इस्तेमाल करते हैं। मगर शायद आपको नहीं मालूम कि दिमाग के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद कौन सी चीज होती है? तो आइए आज हम आपको बताते है उस ब्रेन फूड के बारे में, जिससे आप अपने दिमाग को और भी तेज बना सकते हैं।

डीजेनरेशन को कम करता है

यदि भोजन की दिखावट और यह शरीर के लिए क्या करता है, इन दोनों में कोई संबंध है तो अखरोट जिसे ब्रेन फूड कहा जाता है, वह इस मामले में सबसे पहले आता है। विशेषज्ञों के अनुसार मानवीय दिमाग को उच्च क्वालिटी फैट्स जैसे ओमेगा थ्री फैटी एसिड्स की जरूरत होती है ताकि यह सही ढंग से काम कर सके। अखरोट में नाड़ी-तंत्र की रक्षा करने वाले कई यौगिक शामिल होते हैं जैसे विटामिन ई, फोलेट, मैलाटोनिन, ओमेगा-3 फैटी एसिड्स तथा एंटी ऑक्सीडैंट्स। यह सब उम्र बढ़ने के साथ-साथ कोग्नीटिव लाइन की डीजेनरेशन को कम करने के लिए जाने जाते हैं।

बढ़ाता है मैलाटोनिन का स्तर

इनके साथ ही मैगनीका, कॉपर, आयरन, फास्फोरस, मैगनीशियम तथा कैल्शियम भी अखरोटों में पाए जाते हैं जो रक्त में मैलाटोनिन के स्तर को बढ़ाने में सहायक होते हैं। मैलाटोनिन का स्तर शरीर में निद्रा को नियंत्रित करने वाले हार्मोन्स का मुख्य कारक है। अच्छी नींद यकीनन अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। इस बारे में जानकार कहते हैं। अधिकतर मेवों की तरह अखरोट कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने तथा हृदय के स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक होता है। प्रतिदिन 3 या 4 अखरोटों का सेवन आपके शरीर के लिए बहुत जरूरी है। इन्हें रात भर भिगो कर रखा जाए और फिर इनका सेवन किया जाए।

रेसिपी

मैंगो केक

आइए बनाएं कुकर में मैंगो केक

अब आम का सीजन है तो मैंगो केक खाने का मन तो करेगा ही। पर लाइट नहीं आ रही ओवन कैसे चलेगा। ओफ्हो परेशानी क्या है हम बताते हैं कैसे बनाएं प्रेशर कुकर में मैंगो केक।

सामग्री

एक बड़ा प्रेशर कूकर जिसमें बेकिंग पैन समा जाए, एक बेकिंग पैन, 1 बटर पेपर, मैदा 1 कप, आम की प्यूरी आधा कप सा फिर एक टेबल स्पून मैंगो सीरप, कन्डेन्स्ड मिल्क 1/2 कप, पाउडर चीनी आधा कप, दूध आधा कप, मक्खन 1/3 कप, काजू कटे हुए 2 टेबल स्पून, किशमिश 2 टेबल स्पून, बेकिंग पाउडर1छोटी चम्मच, बेकिंग सोडा 1/4 छोटी चम्मच, आप आम को काट कर उसका पल्प निकाल कर और उसे फैंट कर भी प्यूरी बना सकते हैं।

विधि

मैदा में बेकिंग पाउडर और बेकिंग सोडा डालकर मिक्स कर लीजिए और 2 बार अच्छी तरह छान लीजिए। दूसरे बड़े प्याले में मक्खन, आम का पल्प/प्यूरी और कन्डेन्स्ड मिल्क डालकर अच्छी तरह फैट कर मिक्स कर दीजिए, पाउडर चीनी मिलाकर और अच्छी तरह मिक्स कर लीजिए। काजू और किशमिश के डंठल हटाकर कपड़े से पोंछ लीजिए। जिस कन्टेनर में केक बेक उसमें बटर या घी लगाकर चिकना कर लीजिए। बटर पेपर बर्तन के तले के आकार का काट लीजिए और तले में पेपर डालकर उसके ऊपर भी थोड़ा बटर डालकर चिकना कर लीजिए। आम का पल्प, कन्डेन्स्ड मिल्क में मैदा और बेकिंग पाउडर मिश्रण को डालकर अच्छी तरह गुठलियां खत्म होने तक मिलाइए। मिश्रण में दूध भी अच्छी तरह मिला दीजिए। काजू और किशमिश भी मिला दीजिए। ग्रीज किया हुआ केक कन्टेनर लीजिए। इसमें बर्तन में थोड़ा घी डालिए। फिर थोड़ी सी मैदा डालकर बर्तन को इस तरह हिलाइए कि उसके ऊपर पतली सी मैदा की परत बन जाए। उसमें मिश्रण डालिए और खटखटा कर एक सार कर लीजिए। अब क्योंकि कुकर में केक बनाने के लिए केक कन्टेनर का तला कुकर के तले से नहीं लगना चाहिए नहीं तो केक नीचे से जल सकता है। इसके लिए कुकर के अन्दर तले में एक कटोरी नमक फैला देते है। नमक गरम होकर ओवन की तरह तापमान भी बनाए रखता है। कुकर के अन्दर एक कटोरी नमक डालने के बाद इसे तेज आग पर दो मिनट के लिए रख दीजिए और केक कन्टेनर को पहले से गरम किए हुए कुकर में रखिए। कुकर के ऊपर ढक्कन लगाकर बन्द कर दीजिए। ढक्कन पर सीटी मत लगाइए। केक को बिल्कुल धीमी आग पर 40-50 मिनट तक पकाइए। इसके बाद केक को चैक कर लीजिए। केक के अन्दर चाकू डालने से मिश्रण चाकू पर लग कर आ रहा है तो केक को और बेक कीजिए। कुछ देर बाद दोबारा टैस्ट कीजिए केक में चाकू गड़ा कर देखिए यदि चाकू से केक नहीं चिपकता तो आपका केक बन गया है। कुकर को केक कन्टेनर सहित अच्छी तरह ठंडा होने दीजिए। ठंडा होने पर केक के किनारों से चाकू घुमाकर केक को बर्तन के किनारों से अलग कर लीजिए अब हल्के से ठोक कर केक को प्लेट में निकाल लीजिए। लीजिए आपका प्रेशर कूकर मैंगो केक तैयार है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**